दैनिक
सीहोर जिले का प्रथम दैनिक
K ✌ K
RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-177 | सीहोर, सोमवार 31 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

संकट की घड़ी में पूरी सरकार है बाढ़ पीड़ितों के साथ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया पैदल भ्रमण, किया नुकसान का मुआयना
अधिकारियों को 3 दिन तक चित्रकूट में ही रहकर राहत पहुंचाने के दिए निर्देश

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को रीवा से सीधे चित्रकूट पहुंचे। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ की आपदा से उत्पन्न परिस्थितियों का मुआयना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राचीन मुखार विन्द के पास बनाए गए आश्रय स्थल (राहत शिविर) पहुंचकर सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनके कुशल-क्षेम की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री का वितरण किया और कहा कि संकट की इस घड़ी में हमारी पूरी सरकार आप लोगों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदाकिनी नदी की बाढ़ से नदी का पानी घरो में घुसने से काफी नुकसान हुआ है। इसके अलावा चित्रकूट की अधोसंरचनाओं को भी क्षति पहुंची है। उन्होंने सभी प्रभावितों से कहा कि सरकार और प्रशासन आपदा की घड़ी में पीड़ितों के साथ है। सभी प्रभावितों को उनके हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट में जन जीवन सामान्य होने तक सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी यहीं रूककर प्रभावितों को राहत पहुंचाने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रय स्थल पर बांदा के बबेरू से आए श्रद्धालु राजू सिंह से बात की। राजू ने बताया कि वे 20 लोगों के साथ कामतानाथ स्वामी के दर्शन करने आए थे। बाढ़ का पानी होने से वे सब अपने घर वापस नहीं लौट पाए। उन्होंने बताया कि इस आश्रय स्थल पर प्रशासन द्वारा उन सभी के लिए भोजन, पानी, नाश्ते की समुचित व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रय स्थल पर बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों को वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न आदि राहत सहायता सामग्री भी वितरित की।

जल भराव वाले क्षेत्रों का किया पैदल भ्रमण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट नगर के रामधाम मोहल्ले में जलभराव (बाढ़) से प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया। उन्होंने कीचड़ से सने मार्ग में पैदल चलकर प्रभावितों के घरों तक पहुंचकर जल भराव से हुए नुकसान का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रामफल गर्ग और किस्मत कुमार गर्ग के घर पहुंचकर जलभराव से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा प्रभावित परिवारों से आत्मीय चर्चा कर उन्हें आश्वासन दिया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतना से चित्रकूट मार्ग पर सियाराम कुटीर स्थित माधव धर्मशाला के समीप अग्रहरि किराना स्टोर पहुंचकर दुकानदार कामता प्रसाद गुप्ता से मुलाकात की और उनकी दुकान में पानी भरने से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावितों को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में सरकार उनके साथ है और सभी प्रभावितों को नियमानुसार हरसंभव राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान ओली दाराजली दोस्तलिक ऑर्डर से सम्मानित किया।

मप्र के चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से सेना के दो हेलीकॉप्टर से 650 लोगों का किया गया रेस्क्यू

– बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अगले सात दिनों तक हाई अलर्ट पर रहेंगी सभी टीमें, एसडीएम करेंगे अपने-अपने क्षेत्र में समन्वय

सतना(ए.)। मध्य प्रदेश के सतना जिले की धार्मिक नगरी चित्रकूट में लगातार हुई बारिश के बाद हालात बिगड़ने पर बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। घरों और होटलों की छतों पर फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए सेना के दो हेलीकॉप्टर रेस्क्यू में लगाए गए। इस दौरान करीब 650 लोगों को रेस्क्यू कर राहत शिविरों में पहुंचाया गया। चित्रकूट में बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर जिला प्रशासन अलर्ट है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत, बचाव, स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत व्यवस्था तथा क्षतिग्रस्त अधोसंरचना की बहाली के प्रयासों में जुटा हुआ है। सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आगामी कम से कम सात दिनों तक सभी संबंधित टीमों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर द्वारा रविवार को जारी निर्देशानुसार, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय निकायों द्वारा साफ-सफाई कराने तथा संक्रमण की रोकथाम के लिए ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया जाएगा। सीएमएचओ एवं बीएमओ द्वारा चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल मेडिकल टीमों को प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए स्थानीय निकायों एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था शीघ्र बहाल की जाएगी। वहीं विद्युत मण्डल कंपनी द्वारा विद्युत आपूर्ति की बहाली के लिए त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

एआईएमआईएम का अखिलेश यादव पर तीखा तंज, कहा- मुख्यमंत्री बनना है तो आवैसी को साथ लाओ

लखनऊ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच पिछड़े और अल्पसंख्यक मतदाताओं को साधने की कोशिश तेज हो गई है। इसी बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। एआईएमआईएम नेता शादाब चौहान ने कहा कि यदि अखिलेश यादव दोबारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं तो उन्हें असदुद्दीन ओवैसी का समर्थन लेना होगा।

अखिलेश यादव ने आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक को अपनी राजनीतिक रणनीति का प्रमुख आधार बनाया है। इसी पर निशाना साधते हुए शादाब चौहान ने कहा कि अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति असदुद्दीन ओवैसी के बिना अधूरी है।

एनआईए कोर्ट ने आईएसआईएस से जुड़े आतंकी साजिश मामले में व्यक्ति को सुनाई सात साल की सजा

बेंगलुरु (आरएनएस)। एनआईए की अदालत ने एक व्यक्ति को आईएसआईएस से जुड़ी आतंकी साजिश में शामिल होने के लिए सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. अदालत ने उसे सांप्रदायिक दंगे भड़काने के उद्देश्य से लक्षित हत्याओं की साजिश रचने में शामिल होने का दोषी ठहराया था.राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की जांच के अनुसार, इस साजिश का मास्टरमाइंड मुख्य आरोपी महबूब पाशा था. उसने बेंगलुरु के गुरप्पनपाल्या स्थित अपने आवास पर कई बैठकें आयोजित की थीं.एनआईए के रविवार को जारी बयान में कहा गया कि इन बैठकों में आरोपियों ने सांप्रदायिक दंगे भड़काने और प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के राष्ट्रविरोधी एजेंडा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लक्षित हत्याओं की साजिश रची थी.बयान में कहा गया कि दोषी करार दिए गए आरोपी सैयद फसिउर रहमान उर्फ सैयद फसीह उर रहमान ने इन साजिश संबंधी बैठकों में हिस्सा लिया था. उसने अल-हिंद समूह के सदस्यों के जंगल प्रशिक्षण शिविर के लिए डेकाथलॉन स्पोर्ट्स स्टोर से टेंट और चाकू खरीदे थे.एनआईए ने कहा कि इस साजिश का मकसद आईएसआईएस/दाएश का एक 'विलायाह' (प्रशासनिक क्षेत्र या प्रांत) स्थापित करना था. रहमान को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है और उस पर 48 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है. यह मामला शुरुआत में कर्नाटक पुलिस ने 10 जनवरी, 2020 को बेंगलुरु में दर्ज किया था. इसके बाद उसी साल 23 जनवरी को एनआईए ने मामले को अपने हाथ में लेते हुए इसे फिर से दर्ज किया।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर भारी मात्रा में सोने के साथ महिला गिरफ्तार

नदिया ,(आरएनएस)। नदिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोने की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद किया है। मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। रविवार को मिली जानकारी के अनुसार, 32वीं बटालियन के जवानों ने मिली सूचना के आधार पर बानीपुर सीमा क्षेत्र में अभियान चलाया। संदिग्ध गतिविधियां देख जवानों ने एक महिला को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से कुल 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद हुआ। बीएसएफ के मुताबिक, बरामद सोने की अनुमानित बाजार कीमत 24 करोड़ 95 लाख 56 हजार रुपये है। महिला को हिरासत में लेकर बीएसएफ अधिकारियों ने पूछताछ शुरू कर दी है।सीमा क्षेत्र में तस्करी पर रोक लगाने के लिए बीएसएफ ने निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। इतनी बड़ी मात्रा में सोना बरामद होने के बाद जांच एजेंसियों को किसी बड़े तस्करी गिरोह के सक्रिय होने का भी संदेह है। मामले की जांच जारी है।

नीट-पीजी परीक्षा के दौरान जयपुर के केंद्र पर हंगामा, बिजली गुल होने से परीक्षा स्थगित

जयपुर,(आरएनएस)। जयपुर में नीट-पीजी 2026 परीक्षा के दौरान सीतापुरा स्थित एक परीक्षा केंद्र पर बिजली कटौती को लेकर हंगामा हो गया। बार-बार बिजली गुल होने के कारण अभ्यर्थियों को परीक्षा देने में परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति बिगड़ने के बाद प्रभावित केंद्र पर परीक्षा स्थगित कर दी गई।

अभ्यर्थियों के अनुसार, परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू होनी थी, लेकिन केंद्र पर बिजली गुल होने के कारण परीक्षा समय पर शुरू नहीं हो सकी। बाद में परीक्षा शुरू होने के बावजूद बिजली बार-बार चली गई, जिससे परीक्षा में इस्तेमाल किए जा रहे कंप्यूटर बंद होते रहे। इससे परेशान अभ्यर्थियों ने केंद्र पर विरोध और हंगामा शुरू कर दिया।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने सीतापुरा स्थित प्रभावित परीक्षा केंद्र पर 5 सितंबर को दोबारा परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, परीक्षा केंद्र पर हुई बिजली कटौती को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने यह फैसला किया है।

बोर्ड की ओर से प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित किए जाने से उन्हें अपनी परीक्षा पूरी करने का अवसर मिलेगा।

नेपाल त्रासदी : अबतक 768 शव बरामद, लापता लोगों की संख्या 2500 के पार

काठमांड (ए.)। रसुवा की भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ में जान गंवाने वाले 768 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। इसी तरह करीब 2500 लोगों के संपर्कविहीन होने की जानकारी दी गई है।नेपाल पुलिस के अनुसार, रविवार अपराह्न 4 बजे तक कुल 768 शव बरामद किए जा चुके हैं। सबसे ज्यादा 264 शव चितवन में मिले हैं। इसी तरह पूर्वी नवलपरासी में 194, पश्चिमी नवलपरासी में 100, गोरखा में 58, नुवाकोट में 52, धादिङ में 50, तनहुँ में 37 और रसुवा में 13 शव बरामद किए गए हैं।पुलिस के अनुसार, अबतक 2,715 घायलों और अन्य लोगों को बचाया जा सका है। इसी तरह, काठमांडू घाटी के विभिन्न अस्पतालों से 160 घायल इलाज के बाद अपने घरों को लौट चुके हैं।

बाढ़ के 5 दिन बाद सुरंगों में फंसे लोगों के बचाव में जुटीं भारतीय और चीनी टीमें

काठमांडू,(ए.)। नेपाल सरकार की ओर से बेहद देरी से अनुमति मिलने के बाद नेपाल पहुंचे भारतीय और चीन के बचाव दलों ने बाढ़ आने के पांच दिन बाद आखिरकार सुरंगों में फंसे लोगों के बचाव का काम शुरू किया है। रसुवा में आई बाढ़ के कारण विभिन्न जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में करीब 600 लोगों के फंसे होने का अनुमान है। हालांकि, नेपाल अब तक सुरंगों में फंसे लोगों का पूरी तरह से बचाव नहीं कर सका है।जलविद्युत परियोजनाओं ने बताया है कि बार-बार अनुरोध करने के बावजूद सरकार ने सुरंगों में फंसे उनके कर्मचारियों और मजदूरों का समय पर उद्धार नहीं किया।रविवार से चिलिमे, अपर त्रिशूली-1 और लांगटांग जलविद्युत परियोजनाओं में बचाव अभियान शुरू किया गया है। बाढ़ आने के पांच दिन बाद रविवार को अपर त्रिशूली-3ए परियोजना की सुरंग का भी पता चला, लेकिन वहां अभी तक बचाव अभियान शुरू नहीं हो सका है।विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की ओर से सुरंगों में बचाव कार्य में असामान्य देरी के कारण वहां फंसे लोगों की जान बचाना लगातार जोखिमपूर्ण होता जा रहा है।त्रिशूली कॉरिडोर की निर्माणाधीन सबसे बड़ी परियोजना यूटी-1 में रविवार से ही भारतीय बचाव दल ने कार्य शुरू किया गया है।परियोजना में काम कर रहे करीब 600 लोग अभी भी संपर्क में नहीं आए हैं।

K✌K

राजधानी समाचार

प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए मिलेंगे 25-25 हजार रुपये

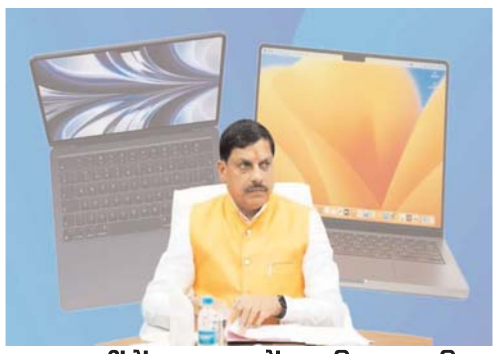

कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थी होंगे लाभान्वित

भोपाल (आरएनएस)। कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या अधिक अंक पाने वाले प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों का आधुनिक तकनीक से जुड़ने का सपना जल्द ही पूरा होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि का अंतरण करेंगे। विद्यार्थियों को यह राशि 1 सितंबर को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित लैपटॉप क्रय के लिये राशि वितरण कार्यक्रम के दौरान प्रदान की जाएगी।प्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें डिजिटल तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत कक्षा 12वीं की परीक्षा में पहले ही प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत इस वर्ष प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। प्रत्येक विद्यार्थी के खाते में 25 हजार रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। इस प्रकार विद्यार्थियों को कुल 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की राशि का अंतरण किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार की यह पहल प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लैपटॉप के माध्यम से विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन, डिजिटल पाठ्य सामग्री, ई-लर्निंग और अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर अपनी शिक्षा को और बेहतर बना सकेंगे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 137वें संस्करण का प्रसारण

प्रधानमंत्री ने युवाओं से की नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान से जुड़ने की अपील

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश के युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे के सेवन से बचाने और नशे की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान की सराहना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि सबके सहयोग से पूरे देश में यह अभियान बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह अभियान 2 अगस्त से पूरे देश में प्रारंभ हो चुका है। अभियान 100 सप्ताह तक लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत नागरिकों विशेषकर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर उन्हें संकल्पित कराया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक रविवार को समाज सेवा और जन-जागरूकता से जुड़ी विशेष गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रविवार को प्रसारित हुए लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 137वें संस्करण में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान का जिक्र किया। उन्होंने देश के सभी युवाओं से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे युवा साथी वर्तमान जनरेशन की अभिरूचि के अनुसार रोचक कैम्पेन कंटेंट, प्ले, स्लोगन्स, जिंगल्स, सांग्स, क्रियेटिव्स, ग्राफिक्स आदि बनाकर इस अभियान को और भी गति दे सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान इस समय पूरे देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका लक्ष्य बिल्कुल साफ है - नशा मुक्त युवा, ड्रग फ्री इंडिया। बहुत सारे लोग, विशेषकर हमारे युवा बहुत बड़ी संख्या में इसका हिस्सा बन रहे हैं। आखिर यह भारत के युवाओं की हेल्थ, उनकी हैप्पीनेस और उज्ज्वल भविष्य के लिए ही हमारा सामूहिक संकल्प है।

भोपाल में पुलिस बाइक ने बच्ची को टक्कर मारी, सिर में चोट आई, बदमाश का पीछा कर रहे थे; सिविल ड्रेस में होने पर भीड़ ने घेरा

भोपाल (आरएनएस)। हबीबगंज थाना क्षेत्र के 11 नंबर इलाके में शनिवार शाम फरार बदमाश का पीछा कर रहे गुंडा स्क्वाड के दो पुलिसकर्मियों की बाइक आठ वर्षीय बच्ची से टकरा गई। बच्ची सड़क पर गिर गई और उसके सिर में चोट लगने से खून निकलने लगा।

दोनों पुलिसकर्मी सिविल ड्रेस में थे, इसलिए मौके पर मौजूद लोग उन्हें पहचान नहीं सके। बच्ची के घायल होने से नाराज लोगों ने दोनों को घेर लिया और झूमाझटकी करने लगे। बाद में पुलिसकर्मियों ने आईडी दिखाकर अपनी पहचान बताई, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

फरार आरोपी का पीछा कर रहे थे पुलिसकर्मी

पुलिस के मुताबिक कमला नगर थाने में संपत्ति हड़पने के मामले में फरार आरोपी की तलाश चल रही है। इसी सिलसिले में गुंडा स्क्वाड के पुलिसकर्मी दीपक कटियार और बलराम शनिवार शाम करीब 6 बजे 11 नंबर इलाके में पहुंचे थे। दोनों बाइक से आरोपी का पीछा कर रहे थे। आरोपी भी बाइक से भाग रहा था।

इसी दौरान आठ वर्षीय बच्ची अचानक पुलिसकर्मियों की बाइक के सामने आ गई। टक्कर लगने से बच्ची सड़क पर गिर गई और उसके सिर में चोट लग गई।

पुलिसकर्मियों ने पीछा करना छोड़ बच्ची को संभाला

हादसे के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा छोड़कर घायल बच्ची को संभाला। उसके सिर से खून निकल रहा था। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को इलाज के लिए हजेला अस्पताल में भर्ती कराया।

सिविल में थे, इसलिए पुलिसकर्मियों को पहचाना नहीं

प्रत्यक्षदर्शी अखिलेश गिनारे के मुताबिक दोनों पुलिसकर्मी सिविल ड्रेस में थे। इसलिए मौके पर मौजूद लोग उन्हें पहचान नहीं सके। बच्ची के घायल होने के बाद लोगों ने दोनों को घेर लिया और झूमाझटकी शुरू कर दी।

स्थिति बिगड़ने पर पुलिसकर्मियों ने अपना परिचय देते हुए आईडी कार्ड दिखाया। इसके बाद लोगों को पता चला कि दोनों पुलिसकर्मी हैं और मामला शांत हुआ। घटना में दोनों पुलिसकर्मियों को चोट नहीं आई है।

मेडिकल रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

हबीबगंज थाना प्रभारी संजीव चौकसे ने बताया कि बच्ची का अस्पताल में इलाज चल रहा है। फिलहाल परिजन की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। मेडिकल रिपोर्ट और परिजन की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रक्षाबंधन पर मध्यप्रदेश पुलिस का नागरिको के लिए उपहार

विगत दो सप्ताह में गुम एवं चोरी हुए 1,195 मोबाइल जब्त कर नागरिकों को लौटाए

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही हैं। तकनीकी संसाधनों, CEIR पोर्टल, Citizen Cop एप एवं अन्य साइबर तकनीकों की मदद से विगत दो सप्ताह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस ने गुम एवं चोरी हुए 1,195 मोबाइल फोन जब्त कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंपे हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर मोबाइल फोन वापस मिलने से बड़ी संख्या में नागरिकों के चेहरों पर खुशी लौटी। पुलिस ने Mission Mobile Recovery के तहत गुम/चोरी के 537 मोबाइल फोन, जिनकी कीमत लगभग 1 करोड़ 10 लाख 8 हजार रुपए है, जब्त कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए। क्राइम ब्रांच पुलिस ने CEIR पोर्टल एवं तकनीकी संसाधनों के माध्यम से 238 मोबाइल, जिनकी कीमत लगभग 75 लाख रुपए है, जब्त कर उनके स्वामियों को लौटाए । वहीं जोन-1 पुलिस ने 51 मोबाइल तथा जोन-2 पुलिस ने परदेशीपुरा, एमआईजी, विजयनगर, लसूडिया, खजराना, कनाड़िया एवं तिलकनगर थाना क्षेत्रों से गुम हुए 63 से अधिक मोबाइल फोन जब्त कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे।इस प्रकार इंदौर पुलिस द्वारा कुल 352 मोबाइल फोन जब्त कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए गए।पुलिस ने ऑपरेशन रिंगटोन 2.0 के तहत कार्रवाई करते हुए 125 गुम मोबाइल फोन, जिनकी कीमत लगभग 24 लाख रुपए है, जब्त कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए। पुलिस ने आमजन को विशेष सौगात देते हुए 130 गुम मोबाइल फोन जब्त किए है।

पुलिस ने जोबट अनुभाग में सघन अभियान के दौरान गुम हुए 33 मोबाइल फोन, जिनकी कीमत लगभग 5 लाख रुपए है, जब्त किए।पुलिस ने जैतापुर शिवडोला चल समारोह के दौरान लोगों की जेब से मोबाइल चोरी करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए 3 मोबाइल फोन, जिनकी कीमत लगभग 60 हजार, बरामद किए।

भोपाल में नाबालिग की हत्या

मां-मामा गिरफ्तार पसंद की शादी को लेकर विवाद, दुपट्टे से गला घोंटने का आरोप, ऑनर किलिंग एंगल पर भी जांच

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के पिपलानी इलाके में 17 साल की नाबालिग आयुषी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने हत्या की FIR दर्ज कर उसकी मां कमला और मामा विजय राय को गिरफ्तार किया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि आयुषी अपनी पसंद के युवक से शादी करना चाहती थी, जबकि उसकी मां कमला बेटी की शादी अपनी पसंद के युवक से करवाना चाहती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। पुलिस मामले की जांच ऑनर किलिंग के एंगल से भी कर रही है।पुलिस के मुताबिक आयुषी अपनी मां के साथ घरों में काम करती थी। परिवार में उसकी शादी को लेकर बातचीत चल रही थी। मां कमला चाहती थी कि आयुषी उसकी पसंद के युवक से शादी करे, जबकि आयुषी अपनी पसंद के युवक से शादी करना चाहती थी। इसी बात को लेकर मां-बेटी के बीच लगातार विवाद की स्थिति बनी हुई थी। पुलिस की जांच के अनुसार 26 अगस्त को शादी की बात को लेकर घर में एक बार फिर विवाद हुआ। आरोप है कि इसी दौरान कमला और उसके भाई विजय राय ने आयुषी का दुपट्टे से गला घोंट दिया। इससे उसकी मौत हो गई।हालांकि घटना के पूरे क्रम और दोनों आरोपियों की भूमिका को लेकर पुलिस विस्तृत जांच कर रही है।

पेंशन फाइल रोकना पड़ेगा भारी, हर स्तर पर तय हुई डेडलाइन

सेवानिवृत्त कर्मचारी की पेंशन अटकी तो तय होगी जवाबदेही

क्रियेटर, वेरीफायर और एप्रूवर के लिए अधिकतम समय-सीमा निर्धारित

भोपाल, (आरएनएस)। प्रदेश में सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों के निराकरण में होने वाली देरी अब अधिकारियों-कर्मचारियों को भारी पड़ सकती है। वित्त विभाग ने राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल (SCPPC) के तहत ऑनलाइन पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रत्येक स्तर पर अधिकतम समय-सीमा तय कर दी है। निर्धारित समय में प्रकरण का निराकरण नहीं होने पर संबंधित स्तर की जवाबदेही तय की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नई व्यवस्था के तहत किसी नवीन पेंशन प्रकरण को क्रियेटर, वेरीफायर और एप्रूवर के तीनों स्तरों से गुजरना होगा। प्रत्येक स्तर पर अधिकतम पांच-पांच कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं। इस तरह सामान्य नवीन पेंशन प्रकरण के लिए तीनों स्तरों पर कुल 15 कार्य दिवस की समय-सीमा तय है। वहीं पुनरीक्षित पेंशन और वेतन निर्धारण के मामलों में प्रक्रिया को और तेज किया गया है।

पुनरीक्षित पेंशन प्रकरण 10 दिन में होंगे पूरे

पुनरीक्षित पेंशन प्रकरणों के लिए क्रियेटर को अधिकतम चार कार्य दिवस, जबकि वेरीफायर और एप्रूवर को तीन-तीन कार्य दिवस में कार्यवाही पूरी करनी होगी। यानी ऐसे प्रकरण के लिए कुल 10 कार्य दिवस की अधिकतम समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसी तरह वेतन निर्धारण के प्रकरणों में क्रियेटर को पांच कार्य दिवस और वेरीफायर तथा एप्रूवर को तीन-तीन कार्य दिवस में कार्यवाही करनी होगी। इस प्रक्रिया के लिए कुल 11 कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं।

भोपाल के कटारा हिल्स में नगर निगम का पुतला दहन, जलभराव और जर्जर सड़कों से परेशान रहवासियों का फूटा गुस्सा

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अमलतास चौराहे पर रविवार को रहवासियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर निगम के खिलाफ उग्र प्रदर्शन करते हुए निगम का पुतला फूंका। इलाके में लंबे समय से व्याप्त जलभराव, सड़कों के गड्ढों, गंदगी और बंद स्ट्रीट लाइटों की समस्याओं से नाराज लोगों ने निगम प्रशासन पर कर वसूलने के बावजूद सुविधाएं न देने का गंभीर आरोप लगाया है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि मानसून के दौरान क्षेत्र की स्थिति और भी बदतर हो गई है। बारिश होते ही कॉलोनियों और मुख्य मार्गों पर पानी भर जाता है, जिससे कीचड़ फैलने के साथ-साथ सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। प्रदर्शन में शामिल युवक कांग्रेस के अनिकेत द्विवेदी ने बताया कि वार्ड क्रमांक 85 के कई इलाकों में मुख्य सड़कों से लेकर अंदरूनी रास्तों तक गड्ढों का अंबार है। इसके अलावा रात के समय स्ट्रीट लाइटें बंद रहने से हादसों का अंदेशा लगातार बना रहता है।सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस बल की मौजूदगी के बीच ही प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम का पुतला दहन किया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि वार्ड की इन मूलभूत समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और अधिक व्यापक रूप दिया जाएगा।इस विरोध प्रदर्शन में मध्य प्रदेश कांग्रेस झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष निकेश सिंह चौहान, भोपाल युवा कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष राहुल मंडलोई, रोहित राजोरिया, शिवी शर्मा, लोकेंद्र शर्मा, अनिल मीणा और राजकुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

भोपाल में कैट का व्यापारी सम्मेलन

एमपी के 250 प्रमुख व्यापारिक नेता शामिल हुए; विकसित भारत के संकल्प पर चर्चा

भोपाल, (निप्र)। भोपाल में रविवार को कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का व्यापारी सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें मध्य प्रदेश के करीब 250 प्रमुख व्यापारिक नेता शामिल हुए।

सम्मेलन का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। चांदनी चौक से सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल, कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया, राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन मौजूद रहे। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया वोकल फॉर लोकल का मंत्र केवल एक आर्थिक अभियान नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का राष्ट्रीय आंदोलन है। उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों के उपयोग और प्रचार से देश के कारीगरों, लघु उद्योगों, स्टार्टअप्स तथा व्यापारिक समुदाय को नई शक्ति मिलती है। सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री खंडेलवाल ने कहा, नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त तक आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव ने देश के व्यापारिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा है। इस महोत्सव के माध्यम से देश-विदेश के व्यापारिक प्रतिनिधियों, उद्यमियों और उद्योग जगत को एक बड़ा मंच मिला तथा हजारों करोड़ रुपए के व्यापारिक अवसर उत्पन्न हुए।

31 अगस्त से होगा नरेला रक्षाबंधन का भव्य शुभारंभ

इस वर्ष भी लाखों बहनें मंत्री श्री सारंग को बांधेंगी रक्षासूत्र

भोपाल (आरएनएस)। सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में नरेला विधानसभा में विगत 18 वर्षों से लगातार विश्व का सबसे बड़ा नरेला रक्षाबंधन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष यह आयोजन सोमवार 31 अगस्त को नरेला विधानसभा के वार्ड क्रमांक 44 में सुबह 11:00 बजे से भव्य शुभारंभ होने जा रहा है। पहले दिन का आयोजन नरेला विधानसभा के वार्ड क्रमांक 44, वार्ड क्रमांक 78 (दोप 02:00 बजे) एवं वार्ड क्रमांक 69 (शाम 04:00 बजे) में होगा। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नरेला विधानसभा में रक्षाबंधन का त्यौहार बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष भी नरेला रक्षाबंधन महोत्सव के लिये लाखों बहनों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है। कार्यक्रम की सम्पूर्ण तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में नरेला विधानसभा व भोपाल के अन्य क्षेत्रों की महिलाएं मंत्री श्री सारंग के रक्षाबंधन महोत्सव में भाग लेकर उन्हें रक्षासूत्र बांधती हैं। इस बार भी नरेला विधानसभा के समस्त 17 वार्डों में भव्य आयोजन किये जा रहे हैं।

बहनों के लिये होंगी यह सुविधाएं

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि महोत्सव के दौरान वातावरण ऐसा निर्मित किया जायेगा कि बहनों को अपने मायके का अहसास हो। इसके लिये रक्षाबंधन महोत्सव के दौरान बहनों के मनोरंजन के लिये सावन के गीतों का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि बहनों व भांजे-भांजियों के लिए झूले भी लगेगें। वहीं बहनों को मेंहदी लगाने और चूड़ियां पहनाने के लिए स्टॉल भी लगाये जायेंगे।

हर वर्ष रिकॉर्ड संख्या में बहनें बांधती है रक्षासूत्र

पिछले वर्ष आयोजित हुए रक्षाबंधन महोत्सव में रिकॉर्ड 1 लाख 84 हजार 632 बहनों ने मंत्री श्री सारंग को रक्षासूत्र बांधे थे। हर वर्ष यह संख्या बढ़ती जा रही है। वहीं इस वर्ष भी लाखों की संख्या में महिलाओं के रक्षाबंधन महोत्सव में सम्मिलित होने की संभावना जताई जा रही है। विगत 18 वर्षों से यह महोत्सव नरेला विधानसभा में आयोजित किया जा रहा है। जो विश्व रिकॉर्ड में भी दर्ज हो चुका है।

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि दिनांक 31 अगस्त 2026 को वार्ड क्रमांक 44 (प्रात: 11:00 बजे), वार्ड क्रमांक 78 (दोप 02:00 बजे) एवं वार्ड क्रमांक 69 (शाम 04:00 बजे) में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दिनांक 1 सितंबर 2026 को वार्ड क्रमांक 39 व 40 (दोप 02:00 बजे) एवं वार्ड क्रमांक 75 (शाम 04:00 बजे) में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दिनांक 3 सितंबर 2026 को वार्ड क्रमांक 76 (दोप 12:00 बजे) एवं वार्ड क्रमांक 59 (शाम 04:00 बजे) में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दिनांक 5 सितंबर 2026 को वार्ड क्रमांक 71 (दोप 02:00 बजे) एवं वार्ड क्रमांक 79 (शाम 04:00 बजे) में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दिनांक 6 सितंबर 2026 को वार्ड क्रमांक 36 (प्रात: 11:00 बजे), वार्ड क्रमांक 70 (दोप 01:00 बजे) एवं वार्ड क्रमांक 37 (शाम 04:00 बजे) में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दिनांक 7 सितंबर 2026 को वार्ड क्रमांक 41 (दोप 02:00 बजे) एवं वार्ड क्रमांक 58 (शाम 04:00 बजे) में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

किन्नर समाज ने धूमधाम से मनाया भुजरिया पर्व देश में खुशहाली और अच्छी बारिश की कामना, गुफा मंदिर में अर्पित की भुजरियां

भोपाल,(आरएनएस)। राजधानी भोपाल में पिछले कई सालों की तरह इस बार भी बड़ी धूमधाम से भुजरिया त्योहार मनाया गया. पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच किन्नरों ने परंपरागत जुलूस निकाला. उन्होंने अच्छी बारिश और प्रदेशवासियों के लिए मंगलकामनाएं भी कीं. भुजरिया का यह पर्व दशकों से भोपाल में मनाया जाता है. इसमें शामिल होने के लिए प्रदेश के कोने-कोने से किन्नर आते हैं।

पिछले कई दशकों से भोपाल में भुजरिया पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है. इस साल भी प्रदेश भर से इस त्योहार में शामिल होने आई किन्नरों ने पारंपरिक तरीके से भुजरिया का जुलूस निकाला. मंगलवारा चौराहे से पुलिस की सुरक्षा के बीच किन्नरों ने सिर पर भुजरिया रखकर जुलूस की शुरुआत की. कारवां रंगारंग अंदाज में नाचते-गाते हुए आगे बढ़ा. सभी किन्नर बॉलीवुड थीम पर सजधजकर निकले थे. इस दौरान आकर्षण का केन्द्र किन्नर गुरु सुरैया रहीं. कई किन्नर बॉलीवुड की हीरोइनों के अंदाज में सजकर आए थे. उन्होंने अच्छी बारिश के साथ पूरे प्रदेश और देशवासियों की मंगलकामना के लिए भगवान से प्रार्थना भी की. मंगलवारा से निकला जुलूस, पीर गेट के बाद विभिन्न रास्तों से होता हुआ गुफा मंदिर पहुंचा, जहां पर विसर्जन कुंडों में भुजरियों को विसर्जित किया गया. कई किन्नर भारी भरकम सोने का आभूषण पहन कर आए थे, जो आकर्षण का केन्द्र भी रहा. बता दें कि, मंगलवारा और बुधवारा के किन्नरों की ओर से रक्षाबंधन के दूसरे दिन भुजरिया जुलूस निकालने की परंपरा नवाबी शासन काल से शुरु हुई थी, जो आज भी उसी धूमधाम से चल रही है।

रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की जेलों में भावनात्मक माहौल, बहनों ने जेल पहुंचकर भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश जेल प्रशासन के आदेशानुसार जेल महानिदेशक डॉ. वरुण कपूर के मार्गदर्शन में रक्षाबंधन के पावन अवसर पर प्रदेश की विभिन्न जेलों में निरुद्ध लगभग 45000 बंदियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, जेलों में अधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में कड़ी सुरक्षा एवं निगरानी के बीच खुली मुलाकात (जेल के अंदर रिक्त स्थान या खुले मैदान में बंदी के परिजनों को जेल गेट के अंदर लेकर करवाई जाने वाली मुलाकात) का विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बहनें अपने भाइयों से मिलने जेल पहुंचीं और उन्होंने भाइयों की कलाई पर पवित्र राखी बांधकर उनके स्वस्थ, सुखी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं दूसरी तरफ जेलों में निरुद्ध महिला बंदी बहनों से मिलने उनके भाई एवं परिजन पहुंचे। लंबे समय बाद अपने बच्चों (10 वर्ष तक के) एवं परिजनों से मिलकर बंदी भाई-बहनों के चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे साथ ही लम्बे समय से उनसे जुदाई के कारण आंखों में आनंद के अश्रु दिखाई दिए। इस दौरान जेलों में भाई-बहन के आत्मिक प्रेम और स्नेह के भावुक कर देने वाले दृश्य देखने को मिले।प्रदेश की जेलों में आयोजित खुली मुलाकात के लिए जेल प्रशासन द्वारा बंदियों एवं उनके परिजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं थीं। खुली मुलाकात के दौरान सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करते हुए, जेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सतत निगरानी रखी गई तथा संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ मुलाकात के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं विशेष आयोजन के शुभ अवसर पर महानिदेशक जेल, डॉ. वरुण कपूर स्वयं केन्द्रीय जेल इंदौर में उपस्थित रहे, जहां उनके द्वारा सभी बंदियों एवं उनके परिजनों को शुभकामनाएं एवं बधाइयां प्रेषित कीं गईं। उन्होंने मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि इस प्रकार के विशेष आयोजनों से बंदियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उनके अंदर पारिवारिक एवं सामाजिक कर्तव्य की भावनाएं जागृत करने एवं उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जेल विभाग द्वारा प्रतिवर्ष कुछ विशेष त्यौहारों पर खुली मुलाकात का आयोजन किया जाता है। डॉ. कपूर ने यह भी बताया कि प्रदेश की विभिन्न जेलों में निरुद्ध लगभग 27,000 बंदी भाईयों एवं बहनों से, उनके लगभग 85000 परिजनों ने खुली मुलाकात की । जो शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं पारिवारिक वातावरण में संपन्न हुई, जो जेल की चाक-चौबंद व्यवस्था को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री वाल्मीकि धाम सिद्धपीठ में दर्शन-पूजन किया

उज्जैन (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन प्रवास के दौरान शनिवार को सुबह श्री वाल्मीकि धाम सिद्धपीठ पहुंचकर यहां अनंत श्री विभूषित 1008 स्वामी सोहनदास जी की समाधि और प्रतिमा पर दर्शन-पूजन कर प्रदेश के सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वाल्मीकि धाम आए श्री जाहरवीर गोगादेव जी के निशान ध्वज का भी विधिवत पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां पर राज्यसभा सांसद बालयोगी संतउमेशनाथ जी महाराज से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, संजय अग्रवाल, विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष मुकेश यादव, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मंदसौरः शिवना शुद्धिकरण अभियान में विधायक जैन के साथ श्रमदानियों ने की सफाई

मंदसौर,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मंदसौर में शिवना नदी के शुद्धिकरण और स्वच्छता के लिए चलाए जा रहे श्रमदान अभियान के 140वें दिन रविवार को भी श्रमदानियों ने उत्साह के साथ सफाई अभियान जारी रखा।सुबह 7 बजे श्रमदानी पशुपतिनाथ मंदिर के पास शिवना नदी में उतरे और नदी एवं नदी किनारे जमा प्लास्टिक कचरा, फूलमालाएं तथा अन्य गंदगी को हटाया। साथ ही नदी किनारे उग आई गाजर घास को उखाड़कर आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ किया गया। इस दौरान विधायक विपिन जैन ने भी श्रमदानियों के साथ नदी में उतरकर सफाई कार्य में हाथ बंटाया। उन्होंने कहा कि शिवना को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए जनभागीदारी के साथ चल रहा श्रमदान अभियान लगातार जारी रहना जरूरी है।

चिकित्सक की गैरमौजूदगी में कर्मचारियों ने किया इलाज, महिला की मौत के बाद आशीर्वाद अस्पताल सील

अनूपपुर, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिला मुख्यालय में संचालित एक निजी चिकित्सालय में चिकित्सक की अनुपस्थिति के बावजूद कर्मचारियों द्वारा मरीजों का उपचार किए जाने का मामला सामने आया है। उपचार के दौरान एक महिला की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया। रविवार को जैतहरी रोड स्थित आशीर्वाद अस्पताल का निरीक्षण किया गया, जहां कई गंभीर अनियमितताएं मिलने पर अस्पताल को तत्काल प्रभाव से बंद कर सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और अन्य चिकित्सक मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार, छिल्पा निवासी फूलमत चौधरी, पति बिकनू चौधरी, की दो दिन पहले आशीर्वाद अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। मामले को संज्ञान में लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल का निरीक्षण किया।डॉ. अलका तिवारी ने बताया कि महिला को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था, जहां चिकित्सक की मौजूदगी के बिना ही अस्पताल स्टाफ ने उसे भर्ती कर लिया। उपचार के दौरान लापरवाही के कारण महिला की मौत होने की बात सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों की जानकारी ली। इस दौरान अस्पताल में चार मरीज भर्ती मिले। इनमें दो मरीज पहले से चिकित्सक की अनुपस्थिति में उपचाररत थे, जबकि सामान्य बीमारी से पीड़ित दो अन्य मरीजों को रविवार को ही भर्ती किया गया था।जांच में सामने आया कि अस्पताल द्वारा उपचार के लिए नियुक्त चिकित्सक जिले से बाहर था और अस्पताल में मरीजों के उपचार के लिए कोई जिम्मेदार चिकित्सक मौजूद नहीं था।

कुनुक नदी में जान जोखिम में डाल उफनते पुल पर बाइक से आवाजाही, तेज बहाव में लकड़ियां बटोरते दिखे

शहडोल,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। जैतपुर थाना क्षेत्र की कुनुक नदी में लोग अपनी जान जोखिम में डालते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसका रविवार को वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रसमोहनी स्थित कुनुक नदी के पुल पर पानी तेज बहाव के साथ बह रहा है।वायरल वीडियो में कुछ लोग नदी की धार के बीच उतरकर बहकर आई लकड़ियां बटोरते नजर आ रहे हैं। वहीं, कुछ अन्य लोग पानी में डूबे पुल को बाइक से पार करने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति तब है जब पानी का बहाव इतना तेज है कि संतुलन बिगड़ने पर कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में बह सकता है। कुनुक नदी के तेज बहाव के बीच पहुंचकर लोग पानी में बहकर आई लकड़ियों को पकड़ते और बाहर निकालते दिखे। जिस जगह पानी का बहाव इतना प्रबल है कि जरा सी चूक जानलेवा हो सकती है, वहां लोग लकड़ियां निकालने के लिए नदी की धार के बेहद करीब पहुंच रहे थे।सबसे खतरनाक दृश्य रसमोहनी स्थित कुनुक नदी पुल पर देखने को मिला। पुल के ऊपर से पानी बहने के बावजूद कुछ लोग बाइक लेकर इसे पार करने का प्रयास कर रहे थे। पानी की गहराई और बहाव का सही अंदाजा न होने के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ने पर व्यक्ति तेज धार में बह सकता है। जैतपुर थाना क्षेत्र में तीन से अधिक छोटे रपटा पुलों के ऊपर से पानी बहने की जानकारी मिली है, जिससे कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित हुआ है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पुलिसकर्मियों की तैनाती कर लोगों को पानी के तेज बहाव में पुल पार न करने की समझाइश दी जा रही है। इसके बावजूद वायरल वीडियो में लोग जोखिम उठाते नजर आ रहे हैं।जैतपुर थाना प्रभारी समीर खान ने बताया कि बारिश के चलते कुछ स्थानों पर छोटे रपटा पुलों के ऊपर से पानी बह रहा था। एहतियातन वहां पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल क्षेत्र की स्थिति सामान्य है।

ग्वालियर और चंबल संभाग में पहली बार किसी शासकीय अस्पताल में हुआ किडनी ट्रांसप्लांट

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर में अत्याधुनिक अंग प्रत्यारोपण सुविधा से ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई मजबूती

ग्वालियर(आरएनएस)। प्रदेश के सभी अंचलों में उच्चस्तरीय और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए राज्य शासन निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में ग्वालियर के गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में ग्वालियर और चंबल संभाग के किसी शासकीय चिकित्सीय संस्थान में पहली बार किडनी ट्रांसप्लांट की सफल प्रक्रिया पूरी होना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस उपलब्धि पर गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की पूरी चिकित्सा टीम और विशेषज्ञों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में जटिल और अत्याधुनिक उपचार सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है। अंग प्रत्यारोपण जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधा का ग्वालियर में शुरू होना इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश के बड़े शहरों के साथ-साथ विभिन्न अंचलों में भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा का लाभ क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों को मिलेगा और आयुष्मान योजना के माध्यम से निःशुल्क उपचार उपलब्ध होना सरकार की जनकल्याणकारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।ग्वालियर के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में ट्रांसप्लांट के बाद मरीज और डोनर दोनों की हालत स्थिर है और चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। छतरपुर निवासी श्री कृष्णकांत गुप्ता (60 वर्ष) की दोनों किडनियां खराब हो गई थीं। परिवार की सहमति के बाद उनकी पत्नी श्रीमती मीना गुप्ता (55 वर्ष) ने पति को किडनी दान करने की इच्छा जताई। इसके बाद मरीज और डोनर की आवश्यक मेडिकल जांच, काउंसलिंग, अनुकूलता परीक्षण तथा ट्रांसप्लांट से संबंधित अन्य जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की गईं। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण होने के बाद मरीज और डोनर को 29 अगस्त को सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। रविवार सुबह करीब 8:30 बजे किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया शुरू हुई। सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के नेफ्रोलॉजी, एनेस्थीसिया और यूरोलॉजी विभाग के नेतृत्व में मणिपाल हॉस्पिटल के यूरोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट विभागाध्यक्ष डॉ. विकास जैन के सहयोग से विशेषज्ञों की टीम ने पूरी प्रक्रिया को पूर्ण किया। करीब साढ़े छह घंटे चली जटिल प्रक्रिया दोपहर लगभग 3 बजे पूरी हुई।

व्यापार समाचार

शीर्ष 10 में से 7 कंपनियों का मार्केटकैप 1.13 लाख करोड़ रुपए घटा, एयरटेल टॉप लूजर

मुंबई (आरएनएस)। देश की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का मार्केटकैप बीते हफ्ते 1.13 लाख करोड़ रुपए कम हो गया है। इसकी वजह भारतीय शेयर बाजार के मुख्य सूचकांकों में गिरावट होना था। शीर्ष कंपनियों में भारतीय एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और एचयूएल लूजर्स में शामिल थे। वहीं, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई हरे निशान में बंद हुए। भारती एयरटेल का मार्केटकैप 40,500.85 करोड़ रुपए कम होकर 11,74,462.30 करोड़ रुपए हो गया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,056.32 करोड़ रुपए घटकर 17,38,119.27 करोड़ रुपए पहुंच गया है। एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 11,558.35 करोड़ रुपए घटकर 11,09,600.70 करोड़ रुपए, बजाज फाइनेंस का मार्केटकैप 10,086.05 करोड़ रुपए कम होकर 6,70,535.57 करोड़ रुपए, एलएंडटी का बाजार मूल्यांकन 6,473.45 करोड़ रुपए कम होकर 5,55,987.49 करोड़ रुपए, एलआईसी का मार्केटकैप 3,162.50 करोड़ रुपए कम होकर 5,32,817.81 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एलयूएल) का मार्केटकैप 1,550.73 करोड़ रुपए कम होकर 4,72,361.83 करोड़ रुपए हो गया है।

दूसरी तरफ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केटकैप 16,643.20 करोड़ रुपए बढ़कर 8,48,079.71 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केटकैप 4,475.28 करोड़ रुपए बढ़कर 10,22,805.73 करोड़ रुपए और एसबीआई का मार्केटकैप 599.99 करोड़ रुपए बढ़कर 9,65,568.75 करोड़ रुपए हो गया है। साप्ताहिक गिरावट के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज बाजार पूंजीकरण के हिसाब से भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

भारती एयरटेल दूसरे स्थान पर रही, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा। पिछले हफ्ते बेंचमार्क सेंसेक्स 276.32 अंक या 0.35 प्रतिशत गिरकर 77,264 जबकि निफ्टी में 76.35 अंक या 0.31 प्रतिशत की गिरावट 24,175 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 102.25 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,080 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 333.75 अंक या 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64,069 पर बंद हुआ।

महाराष्ट्र एफडीए ने सिप्ला की पुणे इकाई का दवा बिक्री लाइसेंस रद्द किया

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सिप्ला कंपनी की रिएक्टिन प्लस टैबलेट से संबंधित निरीक्षणों के दौरान पाई गई गंभीर खामियां पाई हैं। इन अनियमितताओं के कारण पुणे के वाडकी स्थित सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की कैरी एंड फॉरवर्डिंग (सी एंड एफ) सुविधा का दवा बिक्री लाइसेंस रद्द कर दिया है।

जून में हुए निरीक्षण के दौरान एफडीए अधिकारियों ने अनुसूची एच के अंतर्गत आने वाली दवा रिएक्टिन प्लस की पैकेजिंग पर अनधिकृत प्रचार सामग्री पाई। पैकेजिंग पर दर्द निवारक और ज्वरनाशक शब्द लिखे हुए थे। नियामक ने 11 लाख रुपए से अधिक मूल्य के रिएक्टिन प्लस स्टॉक को जब्त कर लिया और कंपनी को दवा एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 और नियम, 1945 के प्रावधानों के अनुसार पैकेजिंग उल्लंघनों का हवाला देते हुए दवा को बाजार से वापस मंगाने का आदेश दिया। हालांकि, कंपनी निर्देशों का पूरी तरह से पालन करने में विफल रही। एफडीए ने कहा कि इस तरह से डॉक्टर के पर्चे पर दी जाने वाली दवा का प्रचार लोगों को बिना डॉक्टरी सलाह के दवा लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, जिससे स्व-दवा का खतरा बढ़ जाता है।

5जी यूजर्स के लिए बड़ी खुशखबरी, अब नहीं टूटेगा नेटवर्क; सरकार ने रेडिएशन नियमों में दी बड़ी ढील

नई दिल्ली (आरएनएस)। यदि आप भी 5जी इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय अचानक कमजोर नेटवर्क या कॉल ड्रॉप की समस्या से परेशान होते हैं, तो यह समस्या अब बहुत जल्द खत्म होने वाली है। देशभर में 5जी नेटवर्क के विस्तार और कवरेज की रुकावटों को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार ने मोबाइल नेटवर्क के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड (EMF) यानी रेडिएशन के सालों पुराने सख्त नियमों में बड़ी ढील देने का फैसला किया है। नए नियम लागू होने के बाद मोबाइल टावरों से सिग्नल की रेंज सीधे दोगुनी हो जाएगी।

पावर डेंसिटी की सीमा 5 से बढ़कर हुई 10 वाट प्रति वर्ग मीटर

सरकार के इस फैसले के तहत अगले महीने से 5जी बेस टावर स्टेशनों की पावर डेंसिटी लिमिट को 5 वाट प्रति वर्ग मीटर से बढ़ाकर सीधे 10 वाट प्रति वर्ग मीटर कर दिया गया है। इससे पहले टेलीकॉम कंपनियों को सिग्नल कमजोर होने के चलते हर कुछ सौ मीटर की दूरी पर नया टावर लगाना पड़ रहा था। अब पावर क्षमता बढ़ने से एक ही टावर का सिग्नल काफी बड़े दायरे में मजबूत कवरेज देगा, जिससे नेटवर्क विस्तार की लागत घटेगी और 5जी ट्रैफिक बढ़ने के बावजूद यूजर्स को सुपरफास्ट स्पीड मिलेगी।

टेलीकॉम कंपनियों की पुरानी मांग पूरी, अंतरराष्ट्रीय मानकों से जुड़ा भारत

टेलीकॉम इंडस्ट्री काफी समय से रेडिएशन नियमों को वैश्विक स्तर के अनुरूप ढालने की मांग कर रही थी। भारत पहले इंटरनेशनल कमीशन ऑन नॉन-आयोनाइजिंग रेडिएशन प्रोटेक्शन (ICNIRP) के मुकाबले बेहद सख्त नियमों का पालन कर रहा था, जहां सीमा केवल 1 वाट प्रति वर्ग मीटर थी। पिछले साल इसे बढ़ाकर 5 वाट किया गया था, और अब इसे पूर्ण रूप से वैश्विक मानक यानी 10 वाट प्रति वर्ग मीटर कर दिया गया है।

जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया को मिलेगी भारी राहत

इस नीतिगत बदलाव से टेलीकॉम कंपनियों का नए टावर लगाने पर होने वाला भारी पूंजीगत खर्च (Cape&) काफी कम हो जाएगा। खासकर वोडाफोन-आइडिया (Vi) जैसी कंपनियों के लिए यह फैसला वरदान साबित होगा, जो अभी अपने 5जी नेटवर्क का विस्तार कर रही हैं। वहीं, रिलायंस जियो और भारती एयरटेल अपने मौजूदा टावरों की क्षमता का अधिकतम उपयोग कर बिना अतिरिक्त टावर लगाए दूर-दराज के इलाकों तक निर्बाध 5जी कनेक्टिविटी पहुंचा सकेंगी।

दुनिया के 137 देशों की कतार में शामिल हुआ भारत

भारत का यह नया 10 वाट का मानक अब यूरोपीय संघ के अधिकांश देशों, ब्रिटेन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे 137 देशों के नियमों के बराबर आ गया है। 2G, 3G और 4G के समय के पुराने कड़े नियम 5G की उन्नत तकनीक के अनुकूल नहीं थे। नियमों में इस सुधार से देश के आम उपभोक्ताओं को घर या दफ्तर के अंदर भी मजबूत 5G सिग्नल और बेहतरीन कॉलिंग अनुभव मिलेगा।

संचार साथी पोर्टल की बड़ी सफलता, जुलाई में 77,692 खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद : सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। दूरसंचार विभाग (डीओटी) की प्रमुख नागरिक-केंद्रित पहल संचार साथी ने जुलाई 2026 में रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए 77,692 खोए या चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट बरामद करने में मदद की है। संचार मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह पहली बार है जब इस मंच के जरिए एक ही महीने में बरामद किए गए मोबाइल फोनों की संख्या 75,000 के आंकड़े को पार कर गई है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि यह संचार साथी मंच के प्रति बढ़ते जनविश्वास और दूरसंचार विभाग, टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं तथा विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की पुलिस के बीच मजबूत समन्वय का परिणाम है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, दूरसंचार विभाग हितधारकों से लगातार फीडबैक लेकर इस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर काम कर रहा है, ताकि खोए या चोरी हुए मोबाइल उपकरणों की बरामदगी और बढ़ाई जा सके इस सफलता में डीओटी की डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट और उसके क्षेत्रीय कार्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन इकाइयों ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर मोबाइल उपकरणों का पता लगाने और उन्हें उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने का काम किया। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2025 से जुलाई 2026 के बीच मासिक मोबाइल बरामदगी में 201 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

कभी-कभी स्मोकिंग भी ले सकती है जान, सोशल स्मोकिंग से बढ़ रहा मुंह के कैंसर का खतरा; एक्सपर्ट्स ने चेताया

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर में मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से इजाफा देखा जा रहा है। आमतौर पर बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, खैनी और जर्दे जैसे तंबाकू उत्पादों को इस बीमारी का प्रमुख कारण माना जाता है। हालांकि, युवाओं और कामकाजी लोगों के बीच यह आम धारणा बनी हुई है कि कभी-कभार या दोस्तों के साथ 'सोशल स्मोकिंग' करने से कोई खास नुकसान नहीं होता। कैंसर विशेषज्ञों ने इस सोच को पूरी तरह गलत करार देते हुए आगाह किया है कि धूम्रपान में कम या ज्यादा का कोई सुरक्षित पैमाना नहीं होता; इसकी थोड़ी सी मात्रा भी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी को न्योता दे सकती है।

शराब के साथ सिगरेट का कॉम्बिनेशन कई गुना खतरनाक

विशेषज्ञों के अनुसार, कई लोग शराब के सेवन के दौरान सिगरेट पीते हैं, जो शरीर के लिए सबसे ज्यादा घातक साबित होता है। अल्कोहल और तंबाकू का एक साथ संपर्क मुंह और गले की आंतरिक कोशिकाओं को तेजी से नुकसान पहुंचाता है, जिससे ओरल कैंसर का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे में किसी भी रूप में इन दोनों का संयुक्त सेवन सीधे तौर पर जानलेवा हो सकता है।

18 से 22 साल के युवाओं में बढ़ रहा चलन

दिल्ली के अपोलो अस्पताल में हेड एंड नेक कैंसर विभाग के विशेषज्ञ डॉ. अक्षत मलिक के अनुसार, बीते एक दशक में मुंह के कैंसर के मामलों में खतरनाक बढ़ोतरी हुई है। सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि अब कम उम्र के युवा, विशेषकर 18 से 22 वर्ष के लड़के-लड़कियां भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। युवा इसे महज एक लाइफस्टाइल या सोशल हैबिट मानकर गंभीरता से नहीं लेते, जबकि तंबाकू की थोड़ी सी मात्रा भी शरीर में कैंसर कोशिकाओं को सक्रिय करने के लिए काफी है।

शुरुआती लक्षणों को कतई न करें नजरअंदाज

विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि यदि मुंह में किसी भी प्रकार का असामान्य बदलाव दिखे तो तुरंत जांच करानी चाहिए। प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

संदेह और एतराज

बीते कुछ वर्षों में अचानक ऐसा क्या हो गया, जिससे भारतीय खाद्य पदार्थ दुनिया में संदेह और एतराज का निशाना बनने लगे हैं? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए अपने अंदर झांकना होगा। इस शिकायत में सच्चाई हो सकती है कि भारत से खराब संबंधों के कारण ने चीन ने जेनेटिकली मॉडिफाइड होने का आरोप लगाकर भारतीय चावल की कुछ किस्मों का आयात रोका है। मगर, यही बात जापान के भारतीय आमों का आयात रोकने या कई देशों के भारतीय मसालों का आयात रोकने/ घटाने को लेकर नहीं कही जा सकती। वैसे, गुजरे चार वर्षों में मिलावट और गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के कारण भारतीय दवाओं पर भारतीय दवाओं के निर्यात पर भी खराब असर पड़ा है। इस दौरान अमेरिका और अफ्रीका के कई देशों ने भारतीय दवाओं की खेप को वापस भेजा या आयात रोक दिया, जिससे भारत की "फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड"वाली छवि को चुनौती मिली। हालांकि, जापान भारतीय आम का सबसे बड़ा खरीदार नहीं था, लेकिन आम उत्पादकों के मुताबिक उसके प्रतिबंध से दुनिया में बहुत खराब संदेश गया है, जिसका असर आने वाले वर्षों में पड़ सकता है।

इसका कारण जापान का विकसित देश होना और उसके परीक्षण प्रतिमानों की ऊंची छवि है। बहरहाल, मुद्दा है कि बीते कुछ वर्षों में अचानक ऐसा क्या हो गया, जिससे भारतीय उत्पाद दुनिया में संदेह और एतराज का निशाना बनने लगे? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए अपने अंदर झांकना जरूरी है। विशेषज्ञ भारत के कृषि उत्पादों की प्रमाणन व्यवस्था और विकसित देशों के खाद्य सुरक्षा प्रतिमानों के बीच बढ़ती गई खाई की ओर इशारा करते रहे हैं। वहां प्रतिमान समय के साथ विकसित हुए। खासकर कोविड-19 महामारी के बाद अनेक बाजारों में इन पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है। लेकिन इस दौर में भारत में परीक्षण और प्रमाणन की व्यवस्थाओं को उन्नत नहीं किया गया। जबकि थाईलैंड, वियतनाम, ब्राजील, चिले आदि जैसे अनाज निर्यातकों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांगों के अनुरूप अपने यहां प्रमाणन व्यवस्था बेहतर करने में जरूरी निवेश किया। उन्होंने उत्पादों के जीएमओ मुक्त होने के अधिक विश्वसनीय सर्टिफिकेशन के इंतजाम किए। नतीजतन, भारत की कीमत पर उन देशों के उत्पाद बाजार हासिल कर रहे हैं। दूसरी तरफ भारत में औद्योगिक उत्पादों के निरीक्षण की व्यवस्था अधिक कमजोर एवं भ्रष्टाचार ग्रस्त हुई है। उसका नतीजा अब भुगतना पड़ रहा है।

आत्मकथा का सच प्रमाण मांग सकता है, अनुमति नहीं

[किसी की जिंदगी का 'सुविधाजनक संस्करण' क्यों?]
[शब्दों को रोकने से बहस मिटती नहीं, और गहरी हो जाती है]

आरके जैन "अरिजीत"

कुछ अनुभव उम्र के साथ धुंधले नहीं पड़ते, भीतर और गहरे उतरते हैं। मनुष्य उन्हें उसी नजर से लिखता है, जिस नजर से उसने जिया। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' पर उठी बहस इसी अधिकार की सीमा का सवाल है। कांग्रेस का आरोप है कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने मोदी, आरएसएस और चीन की सीमा से जुड़े अंश हटाने या बदलने को कहा। प्रकाशक का कहना है कि वह भारत में इस किताब का प्रकाशक नहीं है और तथ्य-जांच व संपादकीय सुझाव सामान्य प्रक्रिया हैं। दावे अलग हैं, लेकिन भारत में किताब का प्रकाशन फिलहाल रुका है। सवाल है—क्या लेखक की अपनी स्मृतियों को ऐसी कसौटी पर कसा जाना चाहिए, जो उसकी दृष्टि को अधूरा कर दे? संपादन की कैंची तथ्य पर चलनी चाहिए, स्मृति पर नहीं। प्रकाशक को संदर्भों की शुद्धता, तथ्यों की पड़ताल और कानूनी जोखिमों की जांच का पूरा अधिकार है। लेकिन आत्मकथा सरकारी फाइल का पुनर्लेखन नहीं, बल्कि जीवन को भीतर से देखी गई आंखों का बयान है। सोनिया गांधी ने मोदी से मुलाकातों, आरएसएस और चीन की सीमा से जुड़े प्रसंगों को जिस नजर से देखा, वह उनकी अपनी अनुभूति है। पाठक उसे अंतिम सत्य नहीं, एक व्यक्ति की गवाही मानकर पढ़ता है। तथ्य गलत हों तो सुधारे जाएं, संदर्भ अधूरे हों तो पूरे किए जाएं; पर केवल असुविधाजनक दृष्टि को हटा देना संपादन की सीमा से बाहर है।इतिहास की स्याही सिर्फ घटनाएं नहीं, उन्हें देखने वाली आंखें भी दर्ज करती है। गांधी की डायरियां, नेहरू की आत्मकथा और इंदिरा गांधी के पत्र इसलिए मूल्यवान हैं कि उनमें समय की धड़कन और लेखक की निजी दृष्टि साथ है। सीमाएं थीं, फिर भी यही अपूर्णता उन्हें जीवंत बनाती है। आत्मकथा का अर्थ अपने अनुभव को अपनी नजर से दर्ज करना है। ऐसे में पेंगुइन का कहना कि वह पुस्तक प्रकाशित करना चाहता था, पर सहमति नहीं बनी, सवाल छोड़ता है। 'इच्छा' और 'सहमति' के बीच कितनी दूरी हो कि लेखक की स्मृतियां भी संपादन के दायरे में आ जाएं? तथ्य-जांच प्रकाशक का अधिकार और दायित्व है, लेकिन लेखक की दृष्टि बची रहे—यह भी जरूरी है।

समुद्री मार्गों की शक्ति : विश्व के प्रमुख जलडमरूमध्यों पर संघर्ष और प्रतिस्पर्धा

अमरेश द्विवेदी

जलडमरूमध्य समुद्र या महासागर का वह संकीर्ण प्राकृतिक मार्ग है, जो दो बड़े जल निकायों को जोड़ता है और सामान्यतः दो भू-भागों के बीच स्थित होता है। आकार में छोटे होने के बावजूद जलडमरूमध्य का भूराजनीतिक, आर्थिक, सैन्य और सामरिक महत्व अत्यधिक होता है। विश्व के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों का एक बड़ा हिस्सा कुछ महत्वपूर्ण जलडमरूमध्यों से होकर गुजरता है। तेल, प्राकृतिक गैस, खाद्यान्न, औद्योगिक कच्चा माल और निर्मित वस्तुओं के परिवहन में इनका विशेष योगदान है। इसी कारण जलडमरूमध्य केवल भौगोलिक संरचनाएँ नहीं हैं बल्कि वे वैश्विक शक्ति-संतुलन के केंद्र भी बन गए हैं। इनके आसपास होने वाला युद्ध, राजनीतिक तनाव, समुद्री सीमा विवाद, नाकेबंदी या जहाजों पर हमले पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। 1. होर्मुज़ जलडमरूमध्य ऊर्जा सुरक्षा का केंद्रहोर्मुज़ जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और आगे अरब सागर से जोड़ता है। इसके आसपास ईरान और ओमान स्थित हैं तथा संयुक्त अरब अमीरात भी निकटवर्ती क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। होर्मुज़ का सबसे बड़ा महत्व वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ा है। फारस की खाड़ी के तेल और गैस उत्पादक देशों से निकलने वाले बड़े पैमाने के ऊर्जा निर्यात के लिए यह प्रमुख समुद्री मार्ग है। ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव, ईरान के परमाणु कार्यक्रम तथा क्षेत्रीय संघर्षों के कारण होर्मुज़ बार-बार अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बना है। ईरान द्वारा कभी-कभी इस मार्ग को बाधित करने की चेतावनी देना भी वैश्विक तेल बाजारों में अस्थिरता पैदा करता है। इसलिए होर्मुज़ जलडमरूमध्य का महत्व केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं है; इसका सीधा संबंध भारत, चीन, जापान और यूरोप की ऊर्जा सुरक्षा से भी है।

2. बाब-अल-मंदेब : लाल सागर का संकटबाब-अल-मंदेब लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। इसके एक ओर यमन तथा दूसरी ओर अफ्रीका का जिबूती और इरिट्रिया क्षेत्र स्थित है। यह मार्ग यूरोप और एशिया के बीच समुद्री व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से जहाज लाल सागर और स्वेज नहर की दिशा में जाते हैं। यमन के गृहयुद्ध और हूती आंदोलन के कारण इस क्षेत्र की सुरक्षा लंबे समय से चिंता का विषय रही है। जहाजों पर हमलों और सुरक्षा जोखिमों के कारण कई वाणिज्यिक जहाजों को वैकल्पिक लंबे मार्गों का उपयोग करना पड़ा है। इसका परिणाम यह हुआ कि यूरोप-एशिया व्यापार की लागत और यात्रा समय बढ़ सकता है। इसलिए बाब-अल-मंदेब यह दिखाता है कि किसी छोटे से समुद्री चोकपॉइंट

में अस्थिरता वैश्विक सप्लाई श्रृंखला को कैसे प्रभावित कर सकती है।

3. ताइवान जलडमरूमध्य : चीन और ताइवान का तनावताइवान जलडमरूमध्य चीन के मुख्य भूभाग और ताइवान के बीच स्थित है। यह वर्तमान विश्व राजनीति के सबसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में से एक है। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान अपनी अलग राजनीतिक व्यवस्था के साथ स्वयं शासित है। अमेरिका ताइवान के साथ अनौपचारिक संबंध और सुरक्षा सहयोग बनाए रखता है। इस क्षेत्र में चीनी सैन्य अभ्यास, ताइवान की सुरक्षा और अमेरिकी नौसैनिक गतिविधियाँ तनाव को बढ़ाती हैं। यदि यहां गंभीर सैन्य संघर्ष होता है, तो इसका प्रभाव केवल पूर्वी एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। ताइवान वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए ताइवान जलडमरूमध्य में संघर्ष से तकनीकी उद्योग, वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। 4. मलक्का जलडमरूमध्य : व्यापार और सुरक्षामलक्का जलडमरूमध्य मलय प्रायद्वीप और इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के बीच स्थित है। यह हिंद महासागर और प्रशांत क्षेत्र को जोड़ने वाले सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और अन्य पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है। बड़ी मात्रा में ऊर्जा और व्यापारिक वस्तुएँ इस मार्ग से होकर गुजरती हैं। मलक्का में वर्तमान में होर्मुज़ या बाब-अल-मंदेब जैसी प्रत्यक्ष युद्ध स्थिति नहीं है, लेकिन यहां समुद्री डकैती, आतंकवाद, दुर्घटनाएँ और संभावित सैन्य प्रतिस्पर्धा सुरक्षा संबंधी चिंताएँ पैदा करती हैं। चीन की "मलक्का का धर्मसंकट" की अवधारणा इसी चिंता से जुड़ी है कि संकट की स्थिति में उसकी ऊर्जा आपूर्ति इस चोकपॉइंट पर निर्भर रह सकती है। इसी कारण चीन वैकल्पिक समुद्री और स्थल मार्ग विकसित करने की कोशिश करता रहा है।

5. जिब्राल्टर जलडमरूमध्य : यूरोप और अफ्रीका के बीचजिब्राल्टर जलडमरूमध्य अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर को जोड़ता है। इसके उत्तर में स्पेन और दक्षिण में मोरक्को स्थित हैं। इसके निकट ब्रिटेन का जिब्राल्टर क्षेत्र भी स्थित है। जिब्राल्टर को लेकर ब्रिटेन और स्पेन के बीच लंबे समय से राजनीतिक विवाद रहा है। ब्रिटेन का नियंत्रण इस क्षेत्र को यूरोप की सुरक्षा और समुद्री रणनीति में महत्वपूर्ण बनाता है। यह जलडमरूमध्य यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और भूमध्यसागरीय क्षेत्र के बीच समुद्री संपर्क का महत्वपूर्ण मार्ग है। साथ ही नाटो और अन्य शक्तियों के लिए भी इसका सैन्य महत्व है।

6. बॉस्फोरस और डार्डानेल्स : रूस-यूक्रेन संदर्भतुर्की के बॉस्फोरस और डार्डानेल्स जलडमरूमध्य काला सागर को भूमध्य क्षेत्र से जोड़ते हैं। इनके बीच मारमारा सागर स्थित है। इन जलमार्गों का महत्व रूस, यूक्रेन, तुर्की और अन्य काला सागर देशों के लिए बहुत अधिक है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के संदर्भ में इनका रणनीतिक महत्व और बढ़ गया है। तुर्की इन जलडमरूमध्यों पर नियंत्रण रखता है और मोंट्रो कन्वेंशन के तहत युद्धपोतों की आवाजाही के संबंध में विशेष अधिकार रखता है। इस कारण तुर्की की नीति काला सागरकी सामरिक स्थिति को प्रभावित कर सकती है। इन जलडमरूमध्यों से अनाज, ऊर्जा और अन्य वस्तुओं का व्यापार भी जुड़ा है। इसलिए इनका महत्व सैन्य के साथ-साथ आर्थिक भी है।

7. केर्च जलडमरूमध्य : रूस-यूक्रेन विवादकेर्च जलडमरूमध्य, काला सागर और अज़ोव सागर को जोड़ता है। यह रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के संदर्भ में महत्वपूर्ण बन गया है। क्रीमिया के रूस द्वारा 2014 में अधिग्रहण के बाद इस क्षेत्र की राजनीतिक और सैन्य संवेदनशीलता बढ़ गई। रूस ने केर्च ब्रिज का निर्माण करके क्षेत्र में अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत की। इस जलडमरूमध्य पर नियंत्रण का संबंध समुद्री यातायात, सैन्य गतिविधियों और यूक्रेन के बंदरगाहों तक पहुंच से जुड़ा है। इसलिए यह क्षेत्र रूस-यूक्रेन संघर्ष में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बिंदु रहा है।

8. पाल्क जलडमरूमध्य : भारत और श्रीलंकापाल्क जलडमरूमध्य भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है। यह क्षेत्र अपेक्षाकृत उथला है और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों का क्षेत्र रहा है। यहां प्रमुख समस्या सैन्य संघर्ष के बजाय मछली पकड़ने, समुद्री सीमा और मछुआरों की गिरफ्तारी से जुड़ी है। भारतीय और श्रीलंकाई मछुआरों के बीच सीमा पार करने तथा समुद्री संसाधनों के उपयोग को लेकर समय-समय पर विवाद उत्पन्न होते हैं।

यह अंग्रेजों को फॉलो करने जैसा

अजीत द्विवेदी

देश में जनगणना का दूसरा चरण शुरू हो गया है। पहले चरण में मकानों की गिनती के बाद अब नागरिकों की गिनती हो रही है। इसकी शुरुआत लद्दाख से हुई है। अभी स्वगणना का दौर चल रहा है और एक सितंबर से सरकारी कर्मचारी लद्दाख के हर घर में जाएंगे। देश के बाकी हिस्सों में नागरिकों की गिनती का काम अगले साल होगा। सरकार ने एक मार्च की आधी रात का समय संदर्भ तिथि के तौर पर तय किया है। उस दिन तक जिन लोगों का जन्म होगा उनकी गिनती होगी। लद्दाख में गिनती शुरू होने के साथ ही एक नए इतिहास की शुरुआत हुई। लद्दाख पहला क्षेत्र बना, जहां 1931 के बाद पहली बार जातियों की गिनती शुरू हुई है। आखिरी बार 1931 में अंग्रेजी राज में जाति जनगणना हुई थी। उसी के आंकड़े के आधार पर आज भी जातियों की संख्या का अनुमान लगाया जाता है। आजाद भारत में पहली बार जाति जनगणना हो रही है और शुरुआत लद्दाख से हुई है।

सो, कायदे से इसका बहुत प्रचार होना चाहिए था। हर छोटी बड़ी चीज को इवेंट में बदलने वाली भाजपा ने इसको अनदेखा कर दिया। कहीं भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जिनके मंत्रालय में जनगणना का विभाग आता है, ने इसका श्रेय नहीं लिया। चुपचाप जातियों की गिनती शुरू हो गई। तभी इस प्रक्रिया को लेकर संदेह शुरू हुआ। जिस तरह से जाति जनगणना का प्रपत्र बना है उसमें सरकार जातियों की तय सूची नागरिकों को नहीं उपलब्ध करा रही है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को छोड़ कर बाकी नागरिकों पर छोड़ा गया है कि वे अपनी जाति बताएं। उनकी बताई जाति को ही जनगणना प्रपत्र में दर्ज किया जा रहा है। कांग्रेस ने इसे लेकर गंभीर सवाल उठाया है।

असल में इसे लेकर भाजपा और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के बीच काफी समय से माथापच्ची चल रही थी। भाजपा और संघ दोनों को अंदाजा हो गया था कि जाति जनगणना व्यापक हिंदू एकता बनाने बनाए रखने में बाधा बन सकती है। संख्या सामने आने के बाद जातियां अपनी पहचान को लेकर ज्यादा मुखर होंगी और उससे राजनीतिक भागीदारी व सत्ता में हिस्सेदारी का संघर्ष और सघन होगा। समानता के नाम पर लाए गए यूजीसी के दिशानिर्देशों का नुकसान भाजपा और संघ दोनों को महसूस हो रहा था। यह भी दिख रहा था कि किस तरह से भाजपा और संघ का सबसे बड़ा समर्थक समूह यूजीसी के बहाने आरक्षण हटाओ का अभियान चला रहा है। एक तरफ आरक्षण बढ़ाने की मुहिम है तो दूसरी ओर आरक्षण हटाने की सीधी मांग है। आरक्षण हटाने की मांग करने वाला वर्ग भाजपा का पुराना और सबसे मजबूत समर्थक वर्ग है। इसके अलावा 'जेन जी' आंदोलन ने भी दिखाया है कि छात्रों और युवाओं को पुरानी पहचान के साथ बांधे रखना संभव नहीं होगा। उनके लिए विचारधारा और दूसरी किसी तरह की प्रतिबद्धता से पहले अपना हित आता है। तभी इस सवाल पर विचार हुआ कि क्या जाति जनगणना उनके हितों को पूरा करेगी? चूंकि अनुसूचित जाति और जनजाति की गिनती पहले से होती रही है। इसलिए उनकी जाति का नाम शामिल करने में कोई समस्या नहीं थी। परंतु पिछड़ा और सामान्य वर्ग की जातियों को दर्ज करने का काम नागरिकों के ऊपर ही छोड़ा गया है।

सरकार को अंदाजा था कि जाति गणना भाजपा की राजनीतिक संभावना को कमजोर कर सकती है। परंतु मुश्किल यह थी कि सरकार जाति जनगणना की घोषणा कर चुकी थी और उसकी घोषणा से पहले बिहार, कर्नाटक व तेलंगाना में जाति गणना हो गई है। अगर भाजपा की केंद्र सरकार इससे पीछे हटती तो उसे कांग्रेस की ओर से होने वाले बड़े हमले का सामना करना पड़ता और तब यह आरोप भी लगता कि उसने बहुजनों के हित का ध्यान नहीं रखा। ध्यान रहे इस समय किसी भी प्रादेशिक नेता के मुकाबले राहुल गांधी बहुजन हितों के बड़े चैंपियन है। यह बात भाजपा को परेशान कर रही है। तभी उसे ऐसा रास्ता निकालना था, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। सो, उसने जाति जनगणना में जातियों की सूची उपलब्ध नहीं कराने का फैसला किया।

असल में सरकार के सामने दो विकल्प थे। पहला विकल्प वह था, जो बिहार सरकार ने जाति गणना में अपनाया था। उसमें बिहार की सभी जातियों की सूची नागरिकों के सामने रखी गई थी और उसमें से चुन कर उनको अपनी जाति बतानी होती थी। बिहार में कुल सवा तीन सौ से कुछ ज्यादा जातियां हैं, जिनकी सूची उपलब्ध कराई गई। अगर सचमुच सरकार गंभीर होती तो बिहार की तरह ही हर राज्य की जाति की सूची नागरिकों के सामने उपलब्ध कराई जाती और लोगों से उसमें से जाति चुनने को कहा जाता। अगर कोई कहता कि उसकी जाति का नाम सूची में नहीं है तो उसके लिए अन्य की एक अलग श्रेणी बनाई जा सकती थी।

दूसरा विकल्प यह था कि जातियों की सूची नहीं दी जाए और नागरिकों को खुद ही जाति बताने को कहा जाए। इस तरीके से 2011 की जनगणना के समय तत्कालीन यूपीए सरकार ने जातीय व सामाजिक गणना कराई थी। इसमें से सरकार ने पहला और ज्यादा वैज्ञानिक विकल्प नहीं चुना। उसने दूसरा विकल्प चुना। सरकार ने नागरिकों पर छोड़ दिया कि वह जाति बताए। इस तरह 2011 में जो जातीय व सामाजिक गणना हुई थी उसका क्या हस्र हुआ वह सबको पता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उस समय नागरिकों ने 46 लाख के करीब जातियां दर्ज करा दीं। भारत में कुल तीन हजार के करीब जातियां हैं। लेकिन लोगों ने जाति, उपजाति और गोत्र आदि के नाम भी दर्ज करा दिए।

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप अपने कार्यक्षेत्र में बदलाव लेकर आएंगे, जिसकी वजह से आपको बड़ा लाभ होगा। आपकी कोशिशों में एक नयी किरण जगमगाएगी और जल्द ही आपको सफलता मिलेगी। आज आप अपनी मेहनत और लगन से विरोधी को परास्त कर देंगे।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपके कारोबार में दुगुना धन लाभ होगा। आज आप मार्केट जाकर फैमिली के लिए गिफ्ट खरीदेंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी। आज आप पैसों के लेन-देन से बचें और व्यर्थ के खर्चों को कम करें। इस राशि की महिलाएं आज बच्चों के लिए स्वादिष्ट भोजन बनाएंगी, बच्चों को खुशी मिलेगी।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम बना रहेगा। आज आप कर्मचारियों के साथ अपना रवैया अच्छा बनाए रखें, जिससे वे मन लगाकर काम करें। आज आप दोस्तों के साथ खूब हंसी-मजाक करेंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी काम के प्रति आपकी जिम्मेदारी बढ़ेगी, जिसमें आप अपने कलीग की सहायता ले सकते हैं। आज अचानक आपके घर पर किसी मेहमान का आगमन हो सकता है, जिसके चलते व्यस्तता बनी रहेगी।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको आपके सवालों के सारे जवाब मिलेंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आपकी कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मुलाकात होगी और कुछ बेहतरीन जानकारियां भी मिलेंगी। आज आपको जीवनसाथी से सरप्राइज मिलने की संभावना है।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपके मन में कुछ नए विचार आ सकते हैं, जो फ्यूचर में आपके लिए लाभदायक साबित होंगे। आज आपके घर में मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे घर-परिवार में भी खुशी भरा माहौल रहेगा। आज आपको किसी करीबी के माध्यम से धन लाभ होने के योग बन रहे हैं।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। आज आपकी कारोबारी गतिविधियां अच्छी चलेंगी, आपको रोज की अपेक्षा अधिक धन लाभ होगा। आज आपकी पारिवारिक समस्याएं सुलझ जाएंगी, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बनेगा। आज आप बच्चों के साथ शॉपिंग करने मार्केट जाएंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपके किसी निर्णय से परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। आज आप अपने काम को पूरा करने के लिए किसी करीबी की मदद ले सकते हैं, बेहतर होगा आप अपने विवेक का उपयोग करेंगे।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बढ़िया धन लाभ होगा, आपके घर में भौतिक साधनों की बढ़ोतरी होगी। आज आप किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए जीवनसाथी की मदद ले सकते हैं। आज कार्यभार की वजह से शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप ऑफिस की मीटिंग में अपने विचार रखेंगे, जो सभी को बहुत पसंद आएंगे। आज किसी आदर्श व्यक्ति की प्रेरणा से सजगता और भरपूर ऊर्जा मिलेगी। आज आपके दांपत्य जीवन में खुशहाली आएगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने कारोबार को और बड़ा बनाने का प्रयास करेंगे। आज आप किसी दोस्त से मिलने उसके घर जा सकते हैं, उससे मिलकर आपको खुशी मिलेगी।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप घर शिफ्ट करने में अपने मित्र की मदद ले सकते हैं। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आज आपको कार्यप्रणाली में लाए गए परिवर्तन के अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं।

शरीर फूल गया लेकिन उसमें ताकत नहीं बची

हरिशंकर व्यास

भारतीय जनता पार्टी कभी आंदोलन करने वाली पार्टी थी। जब उसके दो सांसद थे तब उसने देश भर में राममंदिर का आंदोलन खड़ा किया था। यह उसके संगठन की ताकत थी और उसके बड़े नेताओं की वैचारिक व सांगठनिक ईमानदारी थी कि पार्टी इतना बड़ा आंदोलन खड़ा कर पाई। भाजपा के संगठन के लिहाज से कहें तो नब्बे का दशक उसका स्वर्णिम समय था। एक तरफ राममंदिर का आंदोलन चल रहा था और दूसरी ओर जब उसके काउंटर में मंडल का आंदोलन शुरू हुआ तो उसमें भी भाजपा ने अपने समर्थक समूहों को आंदोलित करके मंडल के खिलाफ भी एक व्यापक नैरेटिव बनाया था। मंदिर आंदोलन और मंडल विरोधी आंदोलन ने भाजपा को इतना ताकतवर बनाया कि नब्बे के दशक में उसने तीन बार सरकार बनाई। पहले 13 दिन की, फिर 13 महीने की और फिर पांच साल की।भाजपा उस समय विचारधारा वाली पार्टी थी। चाल, चेहरे और चरित्र की बात करती थी। भाजपा को पार्टी विद डिफरेंस कहा जाता था। लगातार छह साल तक सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा का वह चरित्र काफी हद तक बचा हुआ था। उसका जीवंत संगठन था और कई बार सरकार के साथ संगठन का भी टकराव हुआ। भाजपा और संघ के संगठन जैसे भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागण मंच आदि सरकार पर दबाव बनाए रखते थे।अब पिछले 12 सालों में क्या हुआ? भाजपा, उसके अनुषंगी संगठन और संघ के संगठनों की आंदोलन की क्षमता लगभग समाप्त है। वह किसी भी तरह के आंदोलन को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित नहीं कर पा रही है। अब सब कुछ सरकार के भरोसे है। संगठन के लोग आराम से बैठे हैं कि सब सरकार देख लेगी। सरकार कैसे देख लेगी! सरकार के पास एजेंसियां हैं। ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स, एनआईए आदि एजेंसियां हैं और उससे भी ऊपर न्यायपालिका है।

याद करें कैसे 2011 और 2012 में दिल्ली में आंदोलन हुए थे। उस समय तक भाजपा और संघ की आंदोलन को प्रभावित करने की क्षमता थी। तभी चाहे वह आंदोलन अरविंद केजरीवाल और अन्ना हजारे का हो या बाबा रामदेव का हो या निर्भया कांड के विरोध में हुआ आंदोलन हो, हर आंदोलन के दौरान कांग्रेस और उसकी सरकार परेशान हुई। यह आरोप लगाया कि भाजपा व संघ इन आंदोलन को बढ़ा रहे हैं। यह बात काफी हद तक सही थी कि सीधे आंदोलनों में शामिल होकर उनका नेतृत्व करने की बजाय भाजपा और संघ ने उस समय के जन आक्रोश को परदे के पीछे से एक दिशा दी और उसका राजनीतिक लाभ लिया। आज भाजपा और संघ या कांग्रेस राज के समय इनके द्वारा तैयार किए गए गुरू और प्रवचनकर्ता, कोई भी आंदोलन खड़ा करने में अक्षम हैं।उलटे भाजपा और संघ के संगठनों की ताकत इतनी कम हो गई है कि सरकार के खिलाफ होने वाले किसी आंदोलन के समानांतर न तो कोई दूसरा आंदोलन कर पाए और न उसे डिफ्यूज कर पाए। नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों समझ रहे हैं कि चुनाव जीत रहे हैं तो बाकी चीज की कोई जरुरत नहीं है। उनको यह भी लग रहा है कि उन्होंने भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बना दी तो अब क्या करना है। लेकिन सबसे बड़ी पार्टी में कोई दम नहीं दिख रहा है। ऐसा सग रहा है कि पार्टी का शरीर फूल गया लेकिन उसमें ताकत नहीं बची है।सोचें, सरकार में आने के बाद से नरेंद्र मोदी को कितनी बार आंदोलकारियों ने झुकाया! यूपीए सरकार के समय के भूमि अधिग्रहण कानून को बदलने का कानून नरेंद्र मोदी की सरकार लेकर आई थी। लेकिन इतना आंदोलन हुआ कि सरकार को कानून वापस लेना पड़ा। ऐसे ही कृषि कानून मोदी सरकार ने बनाए थे और कहा था कि इससे किसानों की किस्मत बदल जाएगी। एक साल तक आंदोलन करके किसानों तीनों कानून वापस कराए। राष्ट्रीय टीवी पर माफी मांगते हुए प्रधानमंत्री ने कानून वापस लिया। सरकार और भाजपा के नेता कहते थे कि इस सरकार में इस्तीफा नहीं होता है। लेकिन जंतर मंतर पर प्रदर्शन करके छात्रों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा कराया।

यह सब इसलिए हुआ क्योंकि सरकार के पास नैतिक बल नहीं है और संगठन की शक्ति नहीं है। अगर संगठन और विचारधारा बची रहती तो पेपर लीक होने और परीक्षा में गड़बड़ी होने पर संघ का छात्र संगठन और भाजपा का युवा संगठन भी आंदोलित होता। वह कॉकरोच जनता पार्टी को आंदोलन का स्पेस नहीं लेने देता। लेकिन सारे छात्र व युवा नेता इस अति आत्मविश्वास में बैठे रहे कि सरकार सब संभाल लेगी। माना गया कि पुलिस लाठी चला कर छात्रों को भगा देगी और कुछ नहीं होगा। सोचें, एक समय भाजपा स्वंय बड़े आंदोलन खड़े करती थी या हर लोकप्रिय आंदोलनों के पीछे उसका किसी न किसी रूप में हाथ होता था। लेकिन अब उसकी सरकार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन हो जा रहा है, किसान और छात्र व युवा उसे सरकार को झुकाने का माध्यम बना रहे हैं और भाजपा का मुख्य संगठन या उसके दर्जनों अनुषंगी संगठनों को जंग लग गई है। वे कुछ नहीं कर पा रहे हैं। गैर भाजपा शासित राज्यों में भी परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं या परीक्षा में धांधली हो रही है लेकिन भाजपा और उसके संगठन वहां आंदोलन खड़ा नहीं कर पा रहे हैं।

समीक्षा के बाद तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन की सुरक्षा कम की गई

चेन्नई, (आरएनएस)। तमिलनाडु पुलिस ने सुरक्षा प्राप्त राजनीतिक नेताओं को मिलने वाले खतरों की समय-समय पर होने वाली समीक्षा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन की सुरक्षा को जेड प्लस श्रेणी से घटाकर जेड श्रेणी कर दिया है। यह फैसला राज्य सचिवालय में कोर सेल सिक्योरिटी विंग की समीक्षा के बाद लिया गया। मुख्य सचिव साई कुमार, गृह सचिव के. मणिवसन, पुलिस महानिदेशक महेश कुमार अग्रवाल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस प्रक्रिया में हिस्सा लिया और खुफिया जानकारी व स्टालिन की सुरक्षा जरूरतों की समीक्षा की। नई व्यवस्था के तहत स्टालिन को काफी पुलिस सुरक्षा मिलती रहेगी। उनके काफिले के आगे, बीच और पीछे सुरक्षा टीमें तैनात रहेंगी। इस सुरक्षा घेरे में यात्रा और सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान उनकी सुरक्षा के लिए पायलट, एस्कॉर्ट, बैकअप और क्लोज-प्रोटेक्शन गाड़ियां शामिल होंगी।

अधिकारियों ने इस बदलाव को सुरक्षा हटाने के बजाय तैनाती को तर्कसंगत बनाने का कदम बताया।

स्टालिन की सुरक्षा में तैनात कर्मियों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया। नई सुरक्षा व्यवस्था अगली समीक्षा तक लागू रहेगी, जब तक कि कोई नई खुफिया जानकारी मिलने पर उससे पहले समीक्षा की जरूरत न पड़े।

तमिलनाडु में वीआईपी और वीवीआईपी लोगों को दी जाने वाली सुरक्षा की हर छह महीने में समीक्षा की जाती है। इस प्रक्रिया में खुफिया रिपोर्ट, खतरों की प्रकृति और तात्कालिकता, लोगों के बीच मौजूदगी, यात्रा के तौर-तरीके और सुरक्षा की जरूरतों पर विचार किया जाता है।

समिति की सिफारिशों के आधार पर सुरक्षा श्रेणी को बरकरार रखा जा सकता है, बढ़ाया जा सकता है या घटाया जा सकता है। सुरक्षा श्रेणी में यह कटौती स्टालिन और डीएमके को 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के कुछ महीनों बाद की गई है।

देशभर में अब एक समान होगा भारतीय मानक समय, नए नियम अधिसूचित

नई दिल्ली, (आरएनएस)। उपभोक्ता मामले विभाग ने देशभर में भारतीय मानक समय (आईएसटी) को एक समान समय संदर्भ के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी कर दी है। विभाग ने इन नियमों को 27 अगस्त 2026 को अधिसूचित किया। नियम आधिकारिक राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से 180 दिन बाद प्रभावी होंगे।

नियमों का उद्देश्य कानूनी, प्रशासनिक, व्यावसायिक और अन्य आधिकारिक कार्यों के लिए पूरे देश में भारतीय मानक समय को एक समान और विश्वसनीय समय संदर्भ के रूप में स्थापित करना है। नियम लागू होने से पहले दी गई 180 दिनों की अवधि में सरकारी विभागों, व्यवसायों, संस्थानों और अन्य संगठनों को अपनी प्रणालियों में आवश्यक तकनीकी बदलाव करने का अवसर मिलेगा।

लखनऊ छावनी में 100 करोड़ से अधिक की 14 विकास परियोजनाओं का भूमि पूजन

लखनऊ, ,(आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ छावनी में 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 14 विकास परियोजनाओं का भूमि पूजन किया। इनमें दो परियोजनाएं उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से क्रियान्वित की जाएंगी। इन परियोजनाओं का उद्देश्य छावनी क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं, जलापूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, खेल, स्वच्छता, पार्किंग और शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने साथ करीब 4,000 लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को भी सुना।

जलापूर्ति और स्वच्छता पर विशेष जोर

लखनऊ छावनी में शुरू होने वाली प्रमुख परियोजनाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र, बहुउद्देश्यीय खेल परिसर, आधुनिक श्मशान घाट, 1,500 किलोलीटर क्षमता वाला भूमिगत जलाशय और पुरानी तथा खराब हो चुकी जलापूर्ति पाइपलाइनों को बदलने का कार्य शामिल है।

इसके अलावा पर्यवेक्षी नियंत्रण एवं आंकड़ा अधिग्रहण (एससीएडीए) स्वचालन के साथ आठ नए नलकूपों का निर्माण तथा एससीएडीए प्रणाली से जुड़े ऊंचे पानी के टैंक का निर्माण भी किया जाएगा। इन परियोजनाओं से छावनी क्षेत्र में जलापूर्ति व्यवस्था को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी।

शिक्षा और दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाएं

विकास कार्यों के तहत लखनऊ छावनी में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष विद्यालय का निर्माण किया जाएगा। आरए बाजार माध्यमिक विद्यालय और रेनबो मॉडल स्कूल में अतिरिक्त कक्षाओं तथा शौचालयों का निर्माण भी प्रस्तावित है।

राज्य सरकार के सहयोग से आरए बाजार सिटी पॉलीक्लिनिक और मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग सेंटर की परियोजनाएं भी शुरू की जाएंगी। इनसे स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर मिलने की उम्मीद है।

बहुस्तरीय रोबोटिक पार्किंग और विरासत कचरा प्रबंधन

छावनी क्षेत्र में यातायात और पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बहुस्तरीय रोबोटिक कार पार्किंग और वाणिज्यिक परिसर विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही पुराने कचरे के निस्तारण के लिए विरासत अपशिष्ट जैव-खनन और जैव-उपचार परियोजना भी शुरू होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि इन पहलों से छावनी क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, खेल, स्वच्छता, सफाई, जलापूर्ति और शहरी बुनियादी ढांचे में व्यापक सुधार होगा। लखनऊ छावनी का विकास शहर की प्रगति से जुड़ा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ छावनी का विकास पूरे लखनऊ की प्रगति से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से विकास और सुशासन को गति दी जा सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का भी उल्लेख किया।

पीएम मोदी को मिला उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान, यूरेनियम आपूर्ति और मेगा प्रोजेक्ट्स पर हुआ बड़ा समझौता

ताशकंद (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया है। राजधानी ताशकंद में आयोजित एक भव्य एवं विशेष समारोह में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने पीएम मोदी को यह सुप्रीम अवार्ड प्रदान किया। इस सम्मान समारोह से पहले दोनों शीर्ष नेताओं के बीच उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल वार्ता हुई, जिसमें द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग, ऊर्जा, उन्नत तकनीक, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' (Comprehensive Strategic Partnership) का दर्जा देने पर ऐतिहासिक सहमति बनी।

विदेश मंत्री स्तर पर बनेगी कोऑर्डिनेशन काउंसिल

द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साझा बयान में कहा कि दोनों देशों ने अपने संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए कई बड़े और दूरगामी फैसले लिए हैं। उन्होंने घोषणा की कि आपसी सहयोग की नियमित निगरानी और उसे नई दिशा देने के लिए विदेश मंत्री स्तर पर एक 'समन्वय परिषद' (Coordination Council) का गठन किया जाएगा। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच मौजूदा संयुक्त आयोग (Joint Commission) को सचिव स्तर से अपग्रेड करके मंत्री स्तर पर संचालित करने का निर्णय लिया गया है।

यूरेनियम आपूर्ति, बिजनेस समिट और 'न्यू ताशकंद-GIFT सिटी' मॉडल

पीएम मोदी ने बताया कि दोनों देश जल्द ही एक संयुक्त बिजनेस समिट का आयोजन करेंगे, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख उद्योगपति और कारोबारी भाग लेंगे। इसके अलावा भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए उज्बेकिस्तान से यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति हेतु ठोस व्यवस्था तैयार की जाएगी। दोनों देशों के बीच तीन 'सिस्टर-सिटी' और 'सिस्टर-स्टेट' समझौते भी किए गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि उज्बेकिस्तान में बन रहे 'न्यू ताशकंद' और भारत की 'गिफ्ट सिटी' (GIFT City) के बीच तकनीकी और विकास मॉडल के अध्ययन के लिए प्रतिनिधिमंडलों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने की भारत के विकास और वृद्धि प्रगति की तारीफ

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटलीकरण, आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और स्पेस सेक्टर में असाधारण प्रगति कर रहा है और वैश्विक मंच पर भारत की साख व प्रभाव तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि एक घनिष्ठ मित्र देश के रूप में उज्बेकिस्तान भारत की इस विकास यात्रा और वैश्विक उपलब्धियों से बेहद प्रसन्न और गौरवान्वित महसूस करता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में स्वतंत्रता सेनानी रानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद उन्हें श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कल निफ्ट संयुक्त दीक्षांत समारोह में होंगी मुख्य अतिथि

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 31 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के संयुक्त दीक्षांत समारोह-2026 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। राष्ट्रपति निफ्ट की आधिकारिक विजिटर भी हैं। इस संयुक्त समारोह में देशभर के 18 निफ्ट परिसरों से उत्तीर्ण विद्यार्थी एक साथ शामिल होकर अपनी डिग्री प्राप्त करने की उपलब्धि का उत्सव मनाएंगे।

दीक्षांत समारोह के दौरान विद्यार्थियों की शैक्षणिक उत्कृष्टता, सृजनात्मकता, समर्पण और विभिन्न उपलब्धियों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह सहित अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति, निफ्ट के शासी मंडल के सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य, विद्वान और उत्तीर्ण विद्यार्थी मौजूद रहेंगे।

उत्कृष्ट विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक

समारोह में निफ्ट के विभिन्न परिसरों और पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सर्वाधिक संचयी ग्रेड बिंदु औसत (सीजीपीए) प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, प्रतिभा और शैक्षणिक उपलब्धियों की पहचान के रूप में दिया जाएगा।संयुक्त दीक्षांत समारोह के बाद निफ्ट के विभिन्न परिसरों में परिसरवार डिग्री वितरण समारोह आयोजित किए जाएंगे।

मुंबई एयरपोर्ट पर 10.75 करोड़ का सोना जब्त, एयरपोर्ट स्टाफ की मिलीभगत से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप

मुंबई, (आरएनएस)। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस की मुंबई जोनल यूनिट ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़े मल्टी-नेशनल गोल्ड स्मगलिंग रैकेट का पर्दाफाश किया है। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत अधिकारियों ने 10.75 करोड़ रुपये मूल्य के 24-कैरेट सोने के साथ 6 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस संगठित सिंडिकेट में दुबई, बैंकॉक और माले के बीच यात्रा करने वाले विदेशी ट्रांजिट यात्रियों के साथ एयरपोर्ट का ग्राउंड स्टाफ भी शामिल था।

'ऑपरेशन मिडनाइट गोल्डस्ट्राइक' में ऐसे खुला राज

डीआरआई की टीम ने 29 अगस्त को ऑपरेशन मिडनाइट गोल्डस्ट्राइक नाम से एक सीक्रेट ऑपरेशन चलाया। जांच के दौरान अधिकारियों ने एयरपोर्ट के एक स्टाफ मेंबर को उस वक्त धर दबोचा जब वह वैक्स (मोम) के रूप में सोने की धूल से भरे 7 कैप्सूल लेकर एयरपोर्ट से बाहर निकलने की फिराक में था। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी कर्मचारी ने खुलासा किया कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आने वाले ट्रांजिट यात्री एयरपोर्ट के अंदर उसे यह सोना सौंपते थे, जिसे वह सुरक्षा जांच से बचाकर बाहर निकालता था। 6.85 किलो सोना बरामद, 5 बांग्लादेशी नागरिक भी धरे गए कर्मचारी से मिली जानकारी के आधार पर डीआरआई ने जाल बिछाकर सिंडिकेट के अन्य सदस्यों को भी दबोच लिया। तलाशी के दौरान कुल 16 कैप्सूल बरामद किए गए, जिनमें 6.859 किलोग्राम 24-कैरेट सोने की धूल भरी हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 10.75 करोड़ रुपये है। मामले में कस्टम एक्ट, 1962 के तहत सोना जब्त कर लिया गया है और गिरफ्तार किए गए 6 आरोपियों में 5 बांग्लादेशी ट्रांजिट यात्री और 1 एयरपोर्ट कर्मी शामिल है।

मैं चाहता था राहुल गांधी मेरा अनशन तुड़वाए' 20 जुलाई के संसद मार्च पर वांगचुक बोले- कुछ और ही था प्लान

नई दिल्ली,(आरएनएस)। नीट पेपर लीक के विरोध में 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शन और 20 जुलाई के संसद मार्च को लेकर 36 दिनों तक भूख हड़ताल करने वाले प्रख्यात पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का बड़ा बयान सामने आया है। सोनम वांगचुक ने खुलासा किया है कि वह अपने अनशन को सम्मानजनक तरीके से समाप्त करना चाहते थे और उनकी इच्छा थी कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी उन्हें जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म करवाएं। इसके साथ ही उन्होंने 20 जुलाई के संसद मार्च के वास्तविक प्लान की जानकारी भी साझा की।

20 जुलाई को संसद मार्च का यह था पूरा प्लान

सोनम वांगचुक ने बताया कि उन्होंने आंदोलनकारियों से कहा था कि वह 12 दिन और अनशन जारी रख सकते हैं, जिसके बाद 20 जुलाई को संसद तक मार्च निकालकर सांसदों को ज्ञापन सौंपने की रणनीति बनाई गई थी। मार्च में भीड़ को लेकर सहयोगियों का अनुमान 10 से 15 हजार लोगों का था, लेकिन वांगचुक के अनुसार प्रदर्शन में एक लाख से अधिक लोग जुटे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंदोलन का मकसद किसी भी तरह की तोड़फोड़ या उपद्रव करना बिल्कुल नहीं था।

'विपक्ष के नेता अनशन तुड़वाकर आगे की जिम्मेदारी लें'

वांगचुक ने कहा कि योजना के तहत यदि सत्ता पक्ष से कोई सकारात्मक पहल नहीं होती, तो वे विपक्षी सांसदों से मिलने वाले थे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा भी मंच पर पहुंचे थे। रणनीति यह थी कि संसद पहुंचकर पूरा मामला सांसदों के सुपुर्द कर दिया जाए और उनसे कहा जाए कि अब वे इस मसले को संसद के पटल पर उठाकर समाधान निकालें। इसी कड़ी में योजना बनी थी कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी आकर अनशन समाप्त करवाएं और आगे की लड़ाई की कमान संभालें, लेकिन 18 तारीख को ही प्रशासन ने उन्हें जबरन वहां से हटा दिया।

अभिजीत दीपके का आरोपः 'सोनम वांगचुक को किडनैप करवा लिया गया था'

दूसरी ओर, आंदोलन से जुड़े अभिजीत दीपके ने भी एक इंटरव्यू में कहा कि सोनम वांगचुक इस पूरे प्रदर्शन का मुख्य चेहरा थे। उनकी तेजी से बिगड़ती सेहत को लेकर सभी चिंतित थे, लेकिन वह पीछे हटने को तैयार नहीं थे। दीपके ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बाद में वांगचुक को जबरन उठा लिया गया (किडनैप करवा लिया गया) और ऐसी जगह रखा गया जहां केवल सरकारी प्रतिनिधियों को ही उनसे मिलने की इजाजत थी। आंदोलन से जुड़े साथियों को मिलने नहीं दिया गया, जिसके चलते अंततः उन्हें सरकारी अधिकारियों के हाथों ही अनशन तोड़ना पड़ा।

शराब के लिए पैसे न देने पर कलयुगी बेटे ने मां को उतारा मौत के घाट, गर्दन पर चाकू से किए ताबड़तोड़ वार; आरोपी काबू

पुणे (आरएनएस)। पुणे के विश्रांतवाड़ी से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां शराब खरीदने के लिए पैसे मांगने को लेकर हुए झगड़े में एक 32 साल के व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी मां की हत्या कर दी। विश्रांतवाडी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के मुताबिक, यह घटना शनिवार रात करीब 9.30 बजे से 10 बजे के बीच विश्रांतवाड़ी में हुई। सागर ने कथित तौर पर अपनी मां से शराब खरीदने के लिए पैसे मांगे थे। पुलिस ने बताया कि इस बात को लेकर दोनों के बीच बहस हो गई। बताया जा रहा है कि झगड़ा बढ़ गया, जिसके बाद सागर ने कथित तौर पर चाकू से अपनी मां पर हमला किया और उनकी गर्दन पर वार किया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान सविता सुरेश हरिभक्त (50) के तौर पर हुई है, जबकि आरोपी उसका बेटा सागर सुरेश हरिभक्त (32) है। विश्रांतवाडी पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राजेंद्र पन्हाले ने घटना की पुष्टि की। पुलिस ने बताया कि आरोपी को कुछ मनोवैज्ञानिक और व्यवहार संबंधी समस्याएं हैं। मामले की आगे जांच चल रही है। इससे पहले, महाराष्ट्र के जलगांव जिले में रक्षाबंधन के दिन एक 17 वर्षीय छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उसने सोशल मीडिया पर अपनी बहन और माता-पिता के लिए भावुक संदेश पोस्ट किए थे। मृतक की पहचान रोहित साहेबराव धनगर के रूप में हुई, जो कला स्ट्रीम का कक्षा 11 का छात्र था पता चला है कि रोहित ने कथित तौर पर ऑनलाइन गेम खेलते समय उसने पैसे गंवा दिए थे।

7 सप्ताह की गर्भवती थी मनजीत कौर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की मौत के बाद बड़ा खुलासा

चंडीगढ़ (आरएनएस)। चंडीगढ़ से अगवा कर पंजाब के मोरिंडा में जिंदा जलाई गई 28 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मनजीत कौर की मौत के मामले में बेहद दर्दनाक खुलासा हुआ है। चंडीगढ़ पुलिस के अनुसार, बर्बरता का शिकार हुई मनजीत कौर मौत से पहले करीब सात सप्ताह की गर्भवती थीं। करीब 52 दिनों तक पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में जिंदगी और मौत से जूझने के बाद 26 अगस्त को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस में दर्ज FIR के अनुसार, यह खौफनाक वारदात 3 जुलाई को हुई थी। आरोप है कि कुछ लोगों ने मनजीत कौर को चंडीगढ़ से जबरन कार में बैठाया और मोरिंडा ले गए। वहां उनके साथ मारपीट की गई और बाद में शहतूत के पेड़ से बांधकर आग लगा दी गई।

घटना की जानकारी मिलते ही मनजीत का एक दोस्त मौके पर पहुंचा और कंबल डालकर आग बुझाई। इसके बाद उन्हें तत्काल मोरिंडा के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मोहाली के एक निजी अस्पताल रेफर किया गया। बाद में 9 जुलाई को उन्हें पीजीआईएमईआर

18,600 फीट की बर्फीली चोटी और एक स्किड पर टिका हेलिकॉप्टर, नुन कुन में भारतीय सेना का रोंगटे खड़े कर देने वाला रेस्क्यू ऑपरेशन

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारतीय सेना के जांबाज जवानों और पायलटों ने एक बार फिर अदम्य साहस और बेजोड़ तकनीकी कौशल का परिचय दिया है। सेना की एविएशन विंग ने लद्दाख में नुन कुन पर्वतमाला के बेहद दुर्गम इलाके में करीब 18,600 फीट की हैरतअंगेज ऊंचाई पर जान जोखिम में डालकर एक गंभीर मरीज को सुरक्षित एयरलिफ्ट कर लिया। तेज बर्फीली हवाओं, जानलेवा ढलान और ऑक्सीजन की भारी कमी के बीच चलाया गया यह मिशन भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य की मिसाल बन गया है।

ऑक्सीजन की कमी और सीमित ईंधन के साथ उड़ान

इतनी भीषण ऊंचाई पर हवा का दबाव बेहद कम होने के कारण हेलिकॉप्टर के इंजन की कार्यक्षमता और रोटर की लिफ्ट पावर काफी घट जाती है। मिशन को सफल बनाने के लिए सेना ने असाधारण योजना तैयार की। हेलिकॉप्टर से सभी गैर-जरूरी उपकरण हटाकर उसका वजन न्यूनतम किया गया और सिर्फ तय सीमा भर ही ईंधन भरा गया, ताकि लिफ्ट क्षमता अधिकतम रहे और मरीज को सुरक्षित निकालने में कोई रुकावट न आए।

हवा में एक स्किड पर बैलेंस कर मरीज को किया एयरलिफ्ट

पहाड़ की खड़ी ढलान पर मरीज के पास पहुंचने पर पायलटों के सामने सबसे बड़ी चुनौती 'लैंडिंग स्पेस का न होना थी'। जरा सी चूक बड़े हादसे का कारण बन सकती थी, लेकिन पायलटों ने अद्भुत संतुलन का परिचय देते हुए हेलिकॉप्टर को बेहद कम ऊंचाई पर हवा में स्थिर रखा। हेलिकॉप्टर का सिर्फ एक स्किड (पहिया/पायदान) पहाड़ की बर्फीली ढलान को छू रहा था, और उसी पलक झपकते वक्त में एक मेंबर्स ने मरीज को तेजी से अंदर खींचकर सुरक्षित कर लिया।

स्विट्जरलैंड में रेव पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी, 1 की मौत और 5 अन्य घायल

बर्न,(आरएनएस)। उत्तरी स्विट्जरलैंड के आरौ शहर में आयोजित एक वार्षिक टेक्नो रेव पार्टी में भीषण गोलीबारी की घटना सामने आई है। रविवार तड़के हुई इस अंधाधुंध गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 5 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। इस दर्दनाक घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने अज्ञात हमलावरों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

पुलिस प्रवक्ता वेनेसा रम्पोल्ड ने बताया कि यह हमला रविवार तड़के 3 बजे आरौएर रेव के पास बने रेसकोर्स मैदान पर हुआ। शनिवार दोपहर 3 बजे से शुरू हुए इस सालाना म्यूजिक इवेंट में लगभग 3,500 संगीत प्रेमी शामिल थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब अचानक गोलियों की आवाज गूंजी, तो शुरुआत में लगा कि वे पटाखे फूटने की आवाज है, लेकिन चीख-पुकार मचने पर उन्हें घटना की वास्तविकता का एहसास हुआ और फिर वह जान बचाने के लिए भागे।

घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल, एम्बुलेंस और आपातकालीन चिकित्सा दल मौके पर पहुंचे।

हमलावरों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है।

घटनास्थल से 30 किलोमीटर दूर तक के हाईवे पर हथियारों से लैस पुलिस अधिकारियों को मुस्तैद देखा गया है।

कैंटन की राजधानी आर्गौ में हमलावरों के भागने के रास्तों को ब्लॉक करने और हवाई निगरानी के लिए सेना का हेलीकॉप्टर भी तैनात किया गया है।

काला सागर में जहाजों पर हमलाः तुर्की सरकार ने यूक्रेनी राजदूत को किया तलब, दी चेतावनी

अंकारा(आरएनएस)। काला सागर में तुर्की द्वारा संचालित 2 व्यापारिक जहाजों पर हुए हालिया हमलों के बाद तुर्की और यूक्रेन के बीच राजनयिक तनाव गहरा गया है। तुर्की के विदेश मंत्रालय ने अंकारा में यूक्रेन के राजदूत नरिमन दजेलियालो को तलब कर इन हमलों पर अपनी गंभीर चिंता और कड़ा विरोध दर्ज कराया है। तुर्की सरकार ने यूक्रेन को दो टूक शब्दों में चेतावनी देते हुए काला सागर में मानवीय और व्यावसायिक सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है।

बुधवार को तुर्की-संचालित कंटेनर जहाज लीडर बोर्डो मावी रूस के तुआपसे तट के पास एक हमले का शिकार हुआ था। उसके अगले दिन गुरुवार को दूसरा जहाज लीडर कोकाटेपे को भी एक घातक ड्रोन हमले के जरिए निशाना बनाया गया था।

इस मामले में तुर्की सरकार ने ने काला सागर में लोगों की जान, संपत्ति, नौवहन और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करने की परम आवश्यकता को लेकर यूक्रेन को चेतावनी दी है।

काला सागर में तुर्की के जहाजों पर हमला होने का यह पहला मामला नहीं है।

रूस में जमीन के नीचे मिला 600 साल पुराना खजाना, मटके से निकले चांदी के 2600 दुर्लभ सिक्के

मॉस्को (ए)। रूस के कोलोम्ना शहर में हुई एक पुरातात्विक खुदाई के दौरान इतिहासकारों और वैज्ञानिकों के हाथ 600 साल पुराना एक बेहद दुर्लभ खजाना लगा है। मॉस्को से करीब 114 किलोमीटर दूर जमीन के नीचे दबे एक मिट्टी के मटके से चांदी के 2600 प्राचीन सिक्के बरामद किए गए हैं। रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज के आर्कियोलॉजी इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों के अनुसार, यह खजाना 14वीं और 15वीं सदी का है, जिसमें 350 से ज्यादा सिक्के ऐसे मिले हैं जिनका डिजाइन और इतिहास दुनिया के सामने पहली बार आया है।

कोलोम्ना में दबी थी उस दौर के रईस की अकूत दौलत

इतिहासकारों के मुताबिक, 14वीं-15वीं सदी के दौरान कोलोम्ना क्षेत्र का दूसरा सबसे अमीर और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर माना जाता था। मटके में मिले ज्यादातर सिक्के उस समय की लोकप्रिय मुद्रा 'देंगा' के हैं। उस दौर की मुद्रा प्रणाली में दो देंगा मिलकर एक कोपेक और सौ कोपेक मिलकर एक रूबल बनाते थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी बड़ी तादाद में सिक्के किसी बड़े रईस व्यापारी या शीर्ष शाही अधिकारी के रहे होंगे, जिसने किसी बड़े संकट या खतरे के अंदेशे के चलते अपनी पूरी संपत्ति को जमीन के अंदर सुरक्षित छुपा दिया था।

ग्रैंड प्रिंस वासिली प्रथम और द्वितीय के काल के हैं सिक्के

शोधकर्ताओं की शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस खजाने के

ज्यादातर सिक्के खुद कोलोम्ना में ही ढाले गए थे। ये सिक्के मॉस्को के ग्रैंड प्रिंस वासिली प्रथम (1389-1425) और वासिली द्वितीय (1425-1462) के शासनकाल के हैं। खजाने में सबसे अधिक ध्यान उस खास सिक्के ने खींचा है जिस पर एक उड़ते हुए पक्षी की नक्काशी बनी है। यह सिक्का वासिली प्रथम के शासन के अंतिम दौर का बताया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 350 से ज्यादा अज्ञात सिक्कों की धातु और बनावट की जांच जारी है, जिससे मध्यकालीन रूसी अर्थव्यवस्था के कई अनसुलझे पहलू सामने आ सकते हैं।

प्लेग महामारी में मालिक की मौत से 600 साल तक दफन रहा राज

इतिहासकारों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह था कि इतनी बड़ी दौलत को जमीन में गाड़कर कोई वापस क्यों नहीं निकाल पाया। इसका सुराग सिक्कों की तिथियों से मिला। मटके में पाए गए सबसे नए सिक्के 1420 के दशक के अंतिम वर्षों के हैं।

ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, 1424 से 1427 के बीच इस पूरे क्षेत्र में एक भयावह प्लेग महामारी फैली थी। माना जा रहा है कि खजाने के मालिक ने महामारी से अपनी दौलत बचाने के लिए इसे जमीन में छुपाया था, लेकिन संभवतः वह खुद इस महामारी का शिकार हो गया। नतीजतन, 600 साल तक यह बेशकीमती खजाना जमीन के अंदर ही दबा रह गया।

यूक्रेन के हमलों से भारत से पेट्रोल मंगाने को मजबूर हुआ मॉस्को, पिछले 2 महीने में पहुंची 10 लाख बैरल की सप्लाई

नई दिल्ली,(आरएनएस)। यूक्रेन द्वारा किए जा रहे लगातार ड्रोन हमलों ने दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में शुमार रूस के ऊर्जा ढांचे की कमर तोड़ दी है।

रिफाइनरियों पर हुए भीषण हमलों के चलते रूस में घरेलू स्तर पर पेट्रोल उत्पादन में 70 प्रतिशत तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस ईंधन संकट से निपटने के लिए रूस को अब भारत से पेट्रोल आयात करना पड़ रहा है। एनर्जी इंटेलिजेंस और ट्रैकिंग फर्म वॉर्टेक्सा (Vorte&a) के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में रूस का समुद्री मार्ग से पेट्रोल आयात रिकॉर्ड 1,25,000 बैरल प्रतिदिन (लगभग 4.7 लाख टन) तक पहुंच गया है। व्यापार सूत्रों के अनुसार, भारतीय रिफाइनरियों ने पिछले दो महीनों में रूस को लगभग 10 लाख बैरल पेट्रोल का निर्यात किया है। इस आपूर्ति में गुजरात स्थित वाडिनार रिफाइनरी ने सबसे मुख्य भूमिका निभाई है, जिसका संचालन नयारा एनर्जी (Nayara Energy) करती है। उल्लेखनीय है कि नयारा एनर्जी में रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट (Rosneft) की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रूस-यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत के बाद से भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। जून और जुलाई के दौरान भारत ने रूस से प्रतिदिन 26 लाख बैरल से अधिक कच्चा तेल आयात किया, जो भारत के कुल कच्चे तेल आयात का आधे से अधिक हिस्सा है।

जिम्बाब्वे में भीषण सड़क हादसाः ट्रक और मिनी बस की टक्कर में 27 लोगों की मौत

हरारे,(आरएनएस)। जिम्बाब्वे के मध्य क्षेत्र में एक दर्दनाक और भीषण सड़क हादसा सामने आया है, जहां एक मिनी बस और भारी मालवाहक ट्रक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में 27 श्रद्धालुओं (चर्च जाने वाले लोगों) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 अन्य घायल हो गए हैं। यह हादसा स्थानीय समयानुसार शुक्रवार शाम करीब साढ़े 6 बजे राजधानी हरारे से लगभग 140 किलोमीटर दक्षिण में स्थित चिव्हु शहर के पास एक सुदूर राजमार्ग पर हुआ।

पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक विदेशी पंजीकरण वाला ट्रक हाईवे पर अपने आगे चल रहे एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था।

इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार मिनीबस से उसकी टक्कर हो गई।

मिनीबस में सवार सभी यात्री ईसाई समुदाय के श्रद्धालु थे, जो एक धार्मिक सम्मेलन में जा रहे थे। हादस के बाद पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मृतकों की पहचान के प्रयास जारी हैं।

सूत्रों द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि टक्कर इतनी भयानक थी कि मिनी बस पूरी तरह से जलकर मलबे में तब्दील हो गई, जबकि ट्रक सड़क के दूसरी तरफ जाकर पलट गया।

बता दें कि जिम्बाब्वे में इस तरह के बड़े और घातक हादसे होना बेहद आम बात हो चुकी है। इसका कारण सरकार की उपेक्षा के कारण सड़कों का जगह-जगह क्षतिग्रस्त होना है।

इसी साल अप्रैल में एक दक्षिणी राजमार्ग पर मिनीबस में आग लगने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

इसी तरह दक्षिण अफ्रीका को जोड़ने वाले हाईवे पर कार की ट्रक से भिड़ंत में एक महिला और उसके 5 बच्चों की मौत हो गई थी।

बता दें कि जिम्बाब्वे में लोग परिवहन के लिए निजी तौर पर चलने वाली मिनी बस टैक्सियों का इस्तेमाल करते हैं, जो आमतौर पर ओवरलोड चलती हैं और दुर्घटना का कारण बनती हैं।

घर पर आसानी से बनाया जा सकता है वीगन पिज्जा, जानिए इसे बनाने की रेसिपी

पिज्जा एक ऐसा व्यंजन है, जो बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद है। अगर आप वीगन हैं और सोचते हैं कि घर पर वीगन पिज्जा बनाना मुश्किल है तो ऐसा नहीं है। इस लेख में हम आपको एक आसान और झटपट बनने वाले वीगन पिज्जा की रेसिपी बताएंगे, जिसे आप कुछ ही मिनटों में तैयार कर सकते हैं। इस रेसिपी को अपनाकर आप अपने परिवार और दोस्तों को खुश कर सकते हैं।

पिज्जा बेस बनाने का तरीका

सबसे पहले पिज्जा बेस तैयार करें। इसके लिए आपको मैदा, पानी, नमक और थोड़ा-सा तेल चाहिए।

एक बड़े कटोरे में मैदा, नमक और थोड़ा-सा तेल मिलाएं। फिर इसमें धीरे-धीरे पानी डालें और गूंथ लें, जब तक कि आटा नरम न हो जाए।अब इस आटे को 10-15 मिनट के लिए ढककर रखें, ताकि यह थोड़ा फूल जाए। इसके बाद इसे बेलकर गोल आकार दे दें, जिससे आपका पिज्जा बेस तैयार हो जाएगा।

पिज्जा सॉस कैसे बनाएं ?

पिज्जा सॉस के लिए आपको टमाटर, प्याज, लहसुन, नमक और थोड़ी-सी अजवायन चाहिए। सबसे पहले टमाटर और प्याज को बारीक काट लें।अब एक पैन में थोड़ा-सा तेल गर्म करें और उसमें लहसुन भूनें। फिर इसमें टमाटर और प्याज डालकर पकाएं, जब तक कि वे नरम न हो जाएं।इसके बाद इसमें नमक और अजवायन मिलाएं और 5-7 मिनट तक पकाएं, ताकि सॉस गाढ़ा हो जाए। आपका पिज्जा सॉस तैयार हो जाएगा।

सब्जियों को कैसे तैयार करें ?

पिज्जा के लिए सब्जियां चुनते समय अपनी पसंद के अनुसार ही सब्जियों का चयन करें। आप शिमला मिर्च, प्याज, टमाटर, मशरूम और जैतून का उपयोग कर सकते हैं।सबसे पहले सभी सब्जियों को बारीक काट लें, ताकि पिज्जा पर समान रूप से फैल सकें। अगर आप चाहें तो सब्जियों को थोड़ा भून भी सकते हैं, ताकि उनका स्वाद बढ़ जाए।इसके लिए एक पैन में थोड़ा-सा तेल गर्म करें और उसमें सभी सब्जियों को मिलाकर कुछ मिनट तक पकाएं।

पिज्जा को बेक करें

अब बारी आती है पिज्जा को बेक करने की। इसके लिए ओवन को 220 डिग्री सेल्सियस पर पहले से गर्म करें।इसके बाद पहले पिज्जा बेस पर थोड़ा-सा पिज्जा सॉस फैलाएं और फिर ऊपर से कटी हुई सब्जियां डालें।

अब तैयार पिज्जा को पहले से गर्म किए ओवन में रखें और लगभग 15-20 मिनट तक बेक करें, जब तक कि वह सुनहरा न हो जाए। परोसने से पहले इस पर चिली फ्लेक्स और ओरिगैनो का छिड़काव करना न भूलें।००

हजारों ख्वाहिशें ऐसी की मासूम गीता से खाकी की दबंग नेता तक, हर रंग में माहिर हैं चित्रांगदा

हिंदी सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जिन्होंने अपनी पहली ही फिल्म से लोगों के दिलों में जगह बना ली। चित्रांगदा सिंह भी ऐसी ही अभिनेत्री हैं। पर्दे पर उनकी मौजूदगी जितनी खूबसूरत लगती है, उनके किरदारों में उतनी ही गहराई भी दिखाई देती है। कभी उन्होंने हजारों ख्वाहिशें ऐसी में संवेदनशील और मासूम गीता बनकर दर्शकों का दिल जीता, तो कभी 'बाजार', बॉब बिस्वास और गैसलाइट जैसे प्रोजेक्ट्स में अलग-अलग रंग दिखाए। हाल के वर्षों में खाकी: द बंगाल चैप्टर में एक प्रभावशाली राजनीतिक किरदार निभाकर उन्होंने फिर साबित किया कि वह सिर्फ ग्लैमर तक सीमित अभिनेत्री नहीं हैं। चित्रांगदा सिंह का जन्म 30 अगस्त 1976 को हुआ था। उनका बचपन मेरठ, कोटा और बरेली जैसे शहरों में बीता। उनके पिता सेना में अधिकारी थे, इसलिए परिवार को अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। धीरे-धीरे उन्हें विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो में काम मिलने लगा। गुलजार के म्यूजिक वीडियो 'सनसेट प्वाइंट' में नजर आने के बाद उन्होंने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उनके लिए फिल्मों का रास्ता खुला।साल 2005 में निर्देशक सुधीर मिश्रा की फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' से चित्रांगदा ने बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म में उन्होंने गीता का किरदार निभाया था। कॉलेज की छात्रा और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनका किरदार बेहद संवेदनशील था। चित्रांगदा ने इसे इतनी सहजता से निभाया कि दर्शकों और आलोचकों दोनों ने उनकी तारीफ की। पहली ही फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का अवॉर्ड भी मिला।

लेकिन बॉलीवुड में पहली फिल्म की सफलता के बाद सब कुछ आसान नहीं रहा। उनकी अगली फिल्म कल: यस्टरडे एंड टुमारो उम्मीद के मुताबिक नहीं चली। इसके बाद उन्होंने कुछ समय फिल्मों से दूरी बनाई। 2008 में 'सॉरी भाई!' से वापसी की, लेकिन यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर पाई। इसके बाद फिर एक ब्रेक आया।

फिर आया 2011, जिसने चित्रांगदा के करियर को एक नई दिशा दी। सुधीर मिश्रा की 'ये साली जिंदगी' में उन्होंने इरफान खान के साथ काम किया। क्लब सिंगर प्रीति के किरदार में उनका अंदाज काफी अलग था। इसी साल वह अक्षय कुमार के साथ 'देसी बॉयज' में भी नजर आईं। यहां उनका किरदार ग्लैमरस था और फिल्म ने उन्हें बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाया।

भावना पानी ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने की इच्छा जताई, कहा- उनके जैसा कोई नहीं

अभिनेत्री भावना पानी फिल्मों और रंगमंच में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने बताया कि वे अपने करियर में एक बार संजय लीला भंसाली की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, संजय लीला भंसाली सर, चाहे मुझे कोई भी रोल दें, उसे

आगे ले जाना मेरे ऊपर है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी मुझे उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो वह शानदार, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल होगा। मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि वह डांस वाला हो क्योंकि मैंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीखा है। मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली सर को शास्त्रीय संगीत और नृत्य की अच्छी समझ भी है। अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्मों में अगर किसी निर्देशक ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और म्यूजिक को बड़े कैनवास पर उतारा है, तो वे संजय लीला भंसाली सर हैं।अभिनेत्री ने कहा इमोशन कभी भी बिना तर्क के नहीं आते हैं। ये आते कहां से हैं, उसका मकसद और जरूरत क्या है? यह सब समझने के लिए बहुत सारे तर्क और विज्ञान की आवश्यकता होती है।

सुबह 5 बजे का पावर ऑवर क्यों है अहम? जानिए इसके फायदे

सुबह उठकर कुछ मिनट खुद के लिए बिताना एक ऐसी आदत है, जो आपके पूरे दिन को बेहतर बना सकती है। इसे सुबह 5 बजे का पावर ऑवर कहा जाता है। इस घंटे में आप ध्यान, योग, पढ़ाई या किसी भी अन्य सकारात्मक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं। यह समय आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। आइए जानें कि सुबह 5 बजे का पावर ऑवर ह्यकैसे आपके जीवन को बदल सकता है।

मानसिक शांति और स्थिरता

सुबह का पावर ऑवर आपके दिमाग को शांत और स्थिर बना सकता है। जब आप सुबह सबसे पहले ध्यान या योग करते हैं तो आपके दिमाग की ऊर्जा सकारात्मक दिशा में जाती है।इससे आप पूरे दिन के लिए मानसिक रूप से तैयार हो जाते हैं और तनाव से भी दूर रहते हैं।यह आदत आपको ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है और आपके विचारों को संतुलित रखती है।

शारीरिक सक्रियता

सुबह जल्दी उठकर कुछ मिनट व्यायाम करने से आपका शरीर सक्रिय रहता है। इससे न केवल आपकी मांसपेशियां

मजबूत होती हैं, बल्कि आपके शरीर में रक्त का प्रवाह भी बेहतर होता है। नियमित व्यायाम से आपका ऊर्जा स्तर बढ़ता है और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करते हैं।

इसके अलावा यह आदत आपके शरीर को फिट रखने में भी मदद करती है और आपको स्वस्थ जीवन जीने का अवसर देती है।

सकारात्मक सोच विकसित करना

सुबह का समय सबसे शांत होता है, जब चारों ओर शांति होती है और कोई भी गतिविधि नहीं चल रही होती है। इस समय आप सकारात्मक सोच विकसित कर सकते हैं।

अपने दिन की शुरुआत अच्छे विचारों के साथ करना आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आप चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। सकारात्मक सोच आपको उत्साहित और प्रेरित बनाए रखती है।

स्वास्थ्यवर्धक आहार ले पाना

सुबह जल्दी उठकर योग या ध्यान करने से आपके पेट पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है। इससे आपकी भूख बढ़ती है और आप स्वस्थ नाश्ता करते हैं।

स्वस्थ नाश्ते से आपका पाचन तंत्र तेज होता है और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करते हैं।

इसके अलावा यह आदत आपको नियमित खाने की आदत डालने में मदद करती है, जिससे आपका पाचन तंत्र बेहतर होता है और आप स्वस्थ रहते हैं।

रायपुर में अपराध का सिलसिलाः नकबजनी, वाहन चोरी और चाकूबाजी के मामलों से पुलिस के सामने चुनौती

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी में 29 अगस्त को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, मारपीट, अवैध शराब, चाकूबाजी और सड़क हादसे से जुड़े कई मामले दर्ज किए गए। मोवा में सूने मकान से सोने के जेवर, 1.50 लाख रुपये नकद और लैपटॉप चोरी हुआ, जबकि पुरानीबस्ती और मोवा में दोपहिया वाहन चोरी के मामले सामने आए। वहीं आमानाका और सिविल लाइन क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रूप से चाकू लेकर घूम रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया।

मोवा में सूने मकान का ताला तोड़कर 3.20 लाख का माल पार

मोवा थाना क्षेत्र की ग्रैंडले जवाहर दुबे कॉलोनी में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाया। शिकायतकर्ता दीपक पटेल के मुताबिक 28 अगस्त की रात करीब 8 बजे के बाद अज्ञात चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और आलमारी में रखे सोने के जेवर, 1.50 लाख रुपये नकद तथा एक लैपटॉप चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 3.20 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने अपराध क्रमांक 262/26 दर्ज किया है।

राजेंद्र नगर में दरवाजा-खिड़की तोड़कर चोरी

राजेंद्र नगर के गुरुमुख सिंह नगर, कोड़ोबोड़ो बस्ती में चोरों ने घर का दरवाजा और खिड़की तोड़कर प्रवेश किया। आरोपी पलंग में रखा मोबाइल फोन और 3 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गया। चोरी की कुल कीमत करीब 15 हजार रुपये है। मामले में अपराध क्रमांक 206/26 दर्ज किया गया है।

कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने युवाओं को दिया खेलों में आगे बढने् का संदेश

कोरिया, (आरएनएस)। राष्ट्रीय खेल दिवस एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन कोरिया एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मिनी स्टेडियम, उमझर में भव्य खेल समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर युवा खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें खेलों में निरंतर आगे बढने् के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर रोक्तिमा यादव एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने मेजर ध्यानचंद जी के अद्भुत खेल कौशल, अनुशासन, समर्पण और देशप्रेम को याद करते हुए युवाओं से उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।कलेक्टर रोकतिमा यादव ने खिलाडियों एवं उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास भी होता है। उन्होंने कहा कि कोरिया जिले के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है कि उन्हें उचित अवसर, मार्गदर्शन और बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने बच्चों और युवाओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेल गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि नियमित खेल गतिविधियां युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के साथ अपने लक्ष्य के प्रति अनुशासित रहने में भी मदद करती हैं।

झमाझम बारिश से छलक रहा गंगरेल बांध, कभी भी खुल सकते हैं गेट, नदी किनारे के गांव हाई अलर्ट पर

धमतरी, (आरएनएस)। धमतरी जिले में पिछले दो दिनों से हो रही झमाझम बारिश ने जलाशयों को लबालब कर दिया है। गंगरेल, मुरूमसिल्ली, सोंदूर और दुधावा बांधों के कैचमेंट क्षेत्र में लगातार बारिश से पानी की आवक तेजी से बढ़ रही है। गंगरेल बांध में लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन और जल संसाधन विभाग हाई अलर्ट पर हैं। परिस्थितियां अनुकूल नहीं रहीं तो गंगरेल समेत अन्य बांधों के गेट कभी भी खोले जा सकते हैं। गेट खुलने की स्थिति में महानदी के तटीय गांवों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो सकता है। इसे देखते हुए नदी किनारे बसे गांवों और निचले इलाकों को सतर्क कर दिया गया है।

हफ्तेभर से रुक-रुककर हो रही बारिश ने रविवार को जोर पकड़ लिया। सुबह से रात तक लगातार बारिश का दौर जारी रहा। जिले के सभी तहसील क्षेत्रों के साथ जलाशयों के कैचमेंट क्षेत्र में अच्छी बारिश होने से बांधों में पानी की आवक लगातार बढ़ रही है। जल संसाधन विभाग के अधिकारी जलभराव और आवक की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। महानदी के तटीय क्षेत्रों में विशेष निगरानी की जा रही है। गंगरेल बांध में जलभराव बढ़ने के साथ ही कभी भी सायरन बजने और गेट खोलने की स्थिति बन सकती है।

गंगरेल में 10 हजार क्यूसेक पानी की आवक

30 अगस्त की दोपहर दो बजे तक गंगरेल बांध में कैचमेंट क्षेत्र से करीब 10 हजार क्यूसेक पानी की आवक बनी हुई थी। बांध में जलभराव 30 टीएमसी से अधिक हो चुका है। लगातार पानी आने के कारण बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। संभावित जल निकासी को देखते हुए रुद्री बांध का जलस्तर पहले ही कम किया जा रहा है, ताकि गंगरेल से पानी छोड़े जाने पर जल प्रवाह को नियंत्रित किया जा सके। विभागीय अधिकारी-कर्मचारी चौबीसों घंटे स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

दुधावा बांध में भी पानी की आवक लगातार बनी हुई है और जलभराव करीब 9 टीएमसी तक पहुंच गया है। वहीं सोंदूर बांध में जलभराव 5 टीएमसी से अधिक हो चुका है। दोनों बांध भी लगभग लबालब हैं और पानी की आवक बढ़ने पर इनके गेट भी खोले जा सकते हैं।

तेज बारिश से कई इलाकों में जलभरावः घरों में घुसा नाली का गंदा पानी, निगम व्यवस्था पर उठे सवाल

कोरबा, (आरएनएस)। कोरबा में शनिवार सुबह हुई तेज बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। कई वार्डों में नाली और नालों का गंदा पानी घरों में घुस गया। इससे लोगों को काफी परेशानी हुई और नगर निगम की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए। पिछले पांच दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही थी। शनिवार सुबह अचानक तेज बारिश शुरू होने से हालात बिगड़ गए। कई इलाकों में बिजली भी गुल हो गई। सड़कों और नालियों का पानी घरों में घुटनों तक भर गया। लोग खुद ही घरों से पानी निकालते नजर आए।नगर निगम क्षेत्र के आरपी नगर, चिमनी भट्टा, शारदा विहार, अमरैया पारा, मोती सागर पारा, सीतामणी और मुड़ापार में जलभराव की स्थिति ज्यादा खराब रही। चिमनी भट्टा में 40 से ज्यादा घरों में नाले का पानी कमरों तक पहुंच गया। इससे घरों का सामान, बच्चों की कॉपी-किताबें और खाने-पीने का सामान भीगकर खराब हो गया। कई परिवारों के लिए खाना बनाना भी मुश्किल हो गया। शारदा विहार के अटल आवास में भी 12 से ज्यादा घरों में नाली और नाले का गंदा पानी भर गया। गलियां पूरी तरह पानी में डूब गईं। घरों का सामान पानी में तैरता दिखाई दिया। इससे लोगों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश में इन इलाकों में जलभराव होता है। नाली सफाई और पानी निकासी को लेकर कई बार नगर निगम और प्रशासन से शिकायत की गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। लोगों ने कहा कि वार्ड नंबर 14 के चिमनी भट्टा और अमरैया पारा में हर साल यही स्थिति बनती है। लोगों ने जल्द जल निकासी की व्यवस्था ठीक करने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

नेहरू नगर चौक पर चाकूबाजी में घायल युवक की मौत, आरोपी फरार

भिलाई, (आरएनएस)। नेहरू नगर चौक पर ढिल्लन होटल के सामने देर रात हुई चाकूबाजी की घटना में गंभीर रूप से घायल 26 वर्षीय युवक शिव कुमार सिंह की इलाज के दौरान सुबह मौत हो गई। घटना के बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। सुपेला पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

मिली जानकारी के अनुसार कैंप-01 निवासी शिव कुमार सिंह पिता अवधेश सिंह, अपने दोस्त शिशांत के साथ बाइक से नेहरू नगर चौक पहुंचा था। शिव कुमार को चिचोला जाना था, जहां वह दुकान चलाता था। रात करीब 11ः30 बजे वह चिचोला जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहा था। बताया जा रहा है कि शिव कुमार ने पहले एक ट्रक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन ट्रक नहीं रुका। इसके बाद उसने स्कूटी सवार युवकों को रोक लिया। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में बहस हो गई। आरोप है कि स्कूटी सवार युवकों में से एक ने शिव कुमार की बाईं जांघ के सामने की तरफ चाकू मार दिया। चाकू लगने के बाद शिव कुमार मौके पर गिर पड़ा। वारदात के बाद आरोपी स्कूटी से नेहरू नगर चौक के ब्रिज के नीचे से अंडरब्रिज की ओर होते हुए टाउनशिप की तरफ फरार हो गए। प्रारंभिक जानकारी में स्कूटी पर दो युवक और एक युवती के सवार होने की बात सामने आई है। हालांकि, घटना में शामिल आरोपियों की संख्या को लेकर पुलिस जांच कर रही है। घायल शिव कुमार को पुलिस उपचार के लिए हाईटेक अस्पताल लेकर पहुंची थी।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सली डंप से हथियार, बीजीएल सेल व विस्फोटक सामग्री बरामद

बीजापुर । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित रहे बीजापुर जिले में थाना गंगालूर और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 85वीं वाहिनी की संयुक्त टीम द्वारा चलाए जा रहे सर्चिंग अभियान के दौरान मुतवेंडी के जंगलों से आज रविवार को नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए नक्सली डंप बरामद किया है। बीजापुर एसपी उमेश कमार गुप्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि बरामद की गई सभी सामग्रियों को थाना गंगालूर लाया गया है, जहां नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होने कहा कि बस्तर अंचल में शांति और सुरक्षा के लिए नक्सलियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार खुफिया इनपुट के आधार पर गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मुतवेंडी के सघन जंगली और पहाड़ी इलाकों में सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान संयुक्त टीम ने नक्सलियों के गुप्त डंप को ढूंढ निकाला। तलाशी लेने पर डंप से 2 हथियार, बीजीएल सेल, कार्डेक्स वायर, तीर बम, डेटोनेटर एवं अन्य विस्फोटक सामग्रियों के साथ-साथ 7.62 एसएलआर के 30 नग जिंदा राउंड बरामद किए गए हैं।

व्यापारी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, मौत की वजह रहस्य

कोरबा, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के मोतीसागर पारा क्षेत्र में शनिवार सुबह एक व्यापारी की घर में फंदे पर लटकी लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जगमोहन केंवट (40) के रूप में हुई है। वह भजिया-बड़ा बेचकर पत्नी और दो बच्चों का पालन-पोषण करते थे। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह परिजनों ने जगमोहन को कमरे में पंखे से कपड़े के सहारे फंदे पर लटका देखा। घटना की जानकारी आसपास के लोगों को मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। पुलिस ने परिजनों के बयान भी दर्ज किए हैं। पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल से फिलहाल कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। जगमोहन ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। परिजन भी मौत की वजह को लेकर कोई जानकारी नहीं दे पाए हैं। कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस पारिवारिक विवाद, आर्थिक परेशानी या किसी अन्य कारण की संभावना को ध्यान में रखते हुए परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

खेल समाचार

घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार प्रदर्शन, फिर भी भारत की टेस्ट टीम में मौके को तरस रहे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन को सिलेक्शन का आधार माना जाता है। खासतौर पर टेस्ट क्रिकेट में खिलाड़ियों का सिलेक्शन उनके घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर भी करता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंटरनेशनल क्रिकेटर्स को भी खाली समय में घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेने की सलाह दे चुका है। इस कड़ी में ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के खिलाफ सख्त कदम भी उठाए जा चुके हैं। हालांकि, भारत के घरेलू क्रिकेट में कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जो वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सिलेक्टर्स का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच पा रहे हैं। इन खिलाड़ियों के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि इन्हें कम से कम टेस्ट टीम में मौका और मैदान पर अपनी काबिलियत दिखाने के लिए टी20 फॉर्मेट से आने वाले खिलाड़ियों के ऊपर तरजीह जरूर मिलनी चाहिए। अभिमन्यु ईश्वरनः फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में खेले 114 मुकाबलों में 47 की औसत से 8,396 रन बना चुके अभिमन्यु ईश्वरन भारतीय ड्रेसिंग रूम तक तो पहुंच चुके हैं, लेकिन पिछले तीन साल से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। अनुभव और दमदार रिकॉर्ड होने के बावजूद अभिमन्यु ड्रेसिंग रूम में बैठकर मैदान पर भारत की जर्सी पहनकर उतरने का सपना ही देखते रहे हैं। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में वह 27 शतक और 36 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। अभिमन्यु का फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में डेब्यू 2013 में हुआ था और उनकी उम्र डेब्यू का इंतजार करते-करते 30 साल हो चुकी है।

धर्मेंद्रसिंह जडेजाः 100 फर्स्ट-क्लास मैचों में 423 विकेट। लिस्ट-ए क्रिकेट में 121 विकेट और टी20 में 65 विकेट। यह धर्मेंद्रसिंह जडेजा के बेमिसाल आंकड़े हैं, जिन्होंने साल 2013 में फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया था। हालांकि, वह पिछले 13 वर्षों से भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने की आस लगाए बैठे हैं।

शाहबाज अहमदः भारत के लिए 3 वनडे और दो टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके शाहबाज अहमद लंबे समय से टेस्ट टीम में मौका मिलने की राह देख रहे हैं। शाहबाज बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी अहम योगदान दे सकते हैं। 43 फर्स्ट-क्लास मैचों में शाहबाज 146 विकेट निकाल चुके हैं, जबकि बल्लेबाजी में उन्होंने 2,493 रन बनाए हैं। दलीप ट्रॉफी 2026 में भी शाहबाज अपने प्रदर्शन से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचने में जुटे हुए हैं।

दलीप ट्रॉफी : हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सेमीफाइनल मुकाबले से बाहर हो सकते हैं यश धुल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)।नॉर्थ जोन के टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज यश धुल हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण साउथ जोन के खिलाफ होने वाले दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइल मुकाबले को मिस कर सकते हैं। यह मुकाबला रविवार से बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) मैदान पर खेला जाना है। यश धुल की जगह पर सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान को मौका मिल सकता है, जो कमरान इकबाल के साथ पारी का आगाज करते हुए दिखाई दे सकते हैं। माना जा रहा है कि भारत की अंडर-19 टीम के पूर्व कप्तान उदय सहारन को धुल की जगह टीम में बुलाया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने शनिवार को आईएएनएस को बताया, हालांकि वह आज ट्रेनिंग कर रहे थे, लेकिन ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग चोट की आशंका के कारण यश धुल सेमीफाइनल मैच से बाहर हो सकते हैं। माना जा रहा है कि उनकी जगह उदय सहारन टीम में आ सकते हैं। इसका मतलब है कि रविवार से शुरू होने वाले मैच में सनत सांगवान के खेलने की संभावना अधिक है। धुल की हैमस्ट्रिंग चोट वेस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में विवादास्पद चयन फैसले के ठीक बाद आई है। उस मैच में नॉर्थ जोन के कोच अजय शर्मा और सरनदीप सिंह ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सांगवान को हटाकर धुल को मौका दिया था, जिन्होंने 2022 पुरुष अंडर 19 वर्ल्ड कप में भारत को जीत दिलाई थी।

वैभव सूर्यवंशी को पहली बार मिली सीनियर टीम की कप्तानी, 15 साल की उम्र में रचा इतिहास

बेंगलुरु (आरएनएस)। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को पहली बार सीनियर फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में टीम की कप्तानी करने का मौका मिला। रविवार को दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन के खिलाफ उन्होंने ईस्ट जोन के कार्यवाहक (स्टैंड-इन) कप्तान के रूप में टीम की कमान संभाली। ईस्ट जोन टीम के मौजूदा उप-कप्तान सूर्यवंशी ने सेमीफाइनल के पहले दिन कप्तानी की जिम्मेदारी तब संभाली, जब नियमित कप्तान ईशान किशन मैदान से बाहर चले गए। सेंट्रल जोन की बल्लेबाजी के दौरान विकेटकीपिंग करते हुए किशन के दाहिने अंगूठे में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।ईस्ट जोन के कप्तान की जगह कुमार कुशाग्र ने विकेटकीपर की जिम्मेदारी संभाली, जबकि सूर्यवंशी ने कुछ समय के लिए जोनल टीम के स्टैंड-इन कप्तान की भूमिका निभाई। सूर्यवंशी दलीप ट्रॉफी में चर्चा का विषय रहे हैं। इस युवा खिलाड़ी ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में सिर्फ आठ रन बनाए थे, लेकिन गेंदबाजी में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। उन्होंने महज 11 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए थे।

वैभव ने गेंदबाजी करने के अपने अनुभव को भी शेयर किया था। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) डोमेस्टिक द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में सूर्यवंशी ने कहा, अगर आप किसी भी बल्लेबाज से पूछें, तो उन्हें हमेशा गेंदबाजी करना पसंद होता है। एक बल्लेबाज को हमेशा गेंदबाजी करने में मजा आता है और एक गेंदबाज को हमेशा बल्लेबाजी करने में उतना ही आनंद आता है।जोनल टीम के उप-कप्तान और ईशान किशन के सहयोगी के तौर पर नियुक्त किए गए सूर्यवंशी ने कप्तान के उन्हें गेंदबाजी कराने के फैसले के बारे में बात की और खुद को विकेट लेने वाला खिलाड़ी बताया था। उन्होंने आगे कहा, विरोधी टीम के विकेट नहीं गिर रहे थे, इसलिए मुझे दो या तीन ओवर गेंदबाजी करने के लिए कहा गया। ईशान किशन को लगा कि वह जोखिम उठा रहे हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि मैं विकेट लेने वाला खिलाड़ी हूं। जोन बनाम सेंट्रल जोन सेमीफाइनल की बात करें तो, टॉस जीतने के बाद ईस्ट जोन ने रजत पाटीदार की कप्तानी वाली सेंट्रल जोन टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाटीदार की टीम में सारांश जैन की वापसी हुई है। इस ऑफ स्पिन ऑलराउंडर ने इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट में भारत के लिए डेब्यू किया था।

रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। वनडे सीरीज की शुरुआत 24 सितंबर को डरबन में होगी और तीसरा मैच 30 सितंबर को खेला जाएगा। रबाडा को एक हफ्ते पहले हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने रबाडा की चोट के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी है लेकिन उन्होंने यह कन्फर्म किया है कि रबाडा कम-से-कम अगले साढ़े चार हफ्ते तक खेल से दूर रहेंगे। रबाडा उस टी20 टीम का भी हिस्सा नहीं हैं जो नामीबिया में ट्राई-सीरीज खेलने गई है।सीएसए ने क्रिकइन्फो को बताया कि रबाडा वर्तमान में क्रिकेट साउथ अफ्रीका की मेडिकल टीम की निगरानी में चोट से उबरने के शुरुआती चरण से गुजर रहे हैं। सीएसए ने कहा कि रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24-30 सितंबर तक होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह अपने पुनर्वास के माध्यम से कैसे आगे बढ़ते हैं, उनके चयन पर निर्णय सीरीज के करीब लिया जाएगा। नामीबिया में चल रही ट्राई-सीरीज की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने नामीबिया से मिली शुरुआती हार से उबरते हुए अगले मैच में जिम्बाब्वे पर सात विकेट से जीत दर्ज की।

एक ओवर में चार छक्कों ने गेम बदला,सेंट्रल दिल्ली किंग्स को फाइनल में पहुंचाकर खुश कप्तान जोंटी सिद्धू

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सेंट्रल दिल्ली किंग्स शुक्रवार को पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ 72 रन से दमदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंची, जहां 30 अगस्त को उसका सामना साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स से होगा। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए क्वालीफायर-2 में किंग्स के कप्तान जोंटी सिद्धू ने 46 गेंदों में 10 छक्कों और 5 चौकों के साथ 106 रन की नाबाद पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर टीम ने 20 ओवरों में 218/5 का स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद पुरानी दिल्ली को 17.4 ओवरों में 146 रन पर समेट दिया। बतौर गेंदबाज जोंटी ने 3 ओवरों में 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए। शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस नॉकआउट मुकाबले में अपने मैच जिताऊ प्रदर्शन पर बात करते हुए सिद्धू ने बताया कि जब टीम दबाव में थी, तब ऐसा प्रदर्शन करना बहुत संतोषजनक था। जीत के बाद उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं। मैंने अपनी टीम के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में अहम योगदान दिया। इस चरण पर टीम को ऐसे ही प्रदर्शन की सबसे ज्यादा जरूरत थी, इसलिए मुझे खुशी है कि यह सही समय पर हुआ। जब शुरुआती विकेट गिर गए और अनुमानित स्कोर कम लग रहा था, तब सिद्धू और उनके साथी आदित्य भंडारी (नाबाद 24) ने आखिरी ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

गौतम गंभीर की 12 साल की बेटी आजीन को मिला बड़ा सम्मान, खेल मंत्री ने बनाया 'फिट इंडिया एंबेसडर'

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रविवार को आयोजित 'संडेज ऑन साइकिल' के 88वें संस्करण के दौरान एक बेहद गौरवमयी और भावुक लम्हा देखने को मिला। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर की 12 वर्षीय बड़ी बेटी आजीन गंभीर को 'फिट इंडिया एंबेसडर' के रूप में सम्मानित किया गया। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने एक विशेष समारोह में आजीन को यह सम्मान सौंपा। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने पिता गौतम गंभीर के चेहरे पर अपनी बेटी की इस उपलब्धि को लेकर गर्व और भावुकता साफ झलक रही थी।

युवाओं में फिटनेस का अलख जगाएंगी 12 साल की आजीन

आजीन गंभीर को 'फिट इंडिया एंबेसडर' बनाए जाने का मुख्य उद्देश्य देश के बच्चों और युवाओं के बीच सक्रिय जीवनशैली और नियमित फिटनेस को बढ़ावा देना है। खेल मंत्री के हाथों सम्मानित होकर वह अब युवाओं को साइकिल चलाने और शारीरिक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगी। गौतम गंभीर का खुद का क्रिकेट करियर भी अनुशासन और फिटनेस की मिसाल रहा है और उनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार सफलताएं हासिल की हैं। गौतम गंभीर ने 28 अक्टूबर 2011 को नताशा जैन से विवाह किया था। इस दंपती के घर 1 मई 2014 को बड़ी बेटी आजीन का जन्म हुआ, जबकि 2017 में उनकी छोटी बेटी अनाइजा का जन्म हुआ।

पावर हाउस चौराहे पर 5 लाख की सीसी रोड का लोकार्पण, विकास कार्यों को लेकर नगर सरकार प्रतिबद्ध

वार्ड क्रमांक 18 में सोनू चतुर्वेदी के घर से पंकज के घर तक बनी सीसी रोड का हुआ लोकार्पण

सीहोर (निप्र)। नगर में लगातार विकास कार्यों को गति देते हुए आज पावर हाउस चौराहे पर वार्ड क्रमांक 18 में 5 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण किया गया। यह सड़क सोनू चतुर्वेदी के घर से पंकज के घर तक बनाई गई है। सड़क निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और लंबे समय से महसूस की जा रही सड़क की आवश्यकता पूरी हुई है।

लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना नगर पालिका की प्राथमिकता है। सड़क, नाली, पेयजल और प्रकाश जैसी आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि विकास का लाभ शहर के हर वार्ड और हर नागरिक तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद सीहोर विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रही है। नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता से लेते हुए आवश्यकतानुसार विकास कार्य स्वीकृत कराए जा रहे हैं। आने वाले समय में भी नगर के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों की श्रृंखला जारी रहेगी। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 18 के पार्षद प्रदीप गौतम, सहित वार्ड क्रमांक 18 के अनेक नागरिक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नगरवासियों ने सीसी रोड निर्माण के लिए नगर पालिका का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क बनने से क्षेत्र में आवागमन बेहतर होगा और स्थानीय नागरिकों को काफी सुविधा मिलेगी।

कांग्रेस सेवादल की परपंरा अनुसार ग्राम खजुरिया बंगला में ध्वजवंदन धर्म निरपेक्षता आपसी सद्भाव पर जिलाध्यक्ष खंगराले ने डाला प्रकाश

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समय से संगठन को मजबूत करने और नागरिकों में देश भक्ति भावना जगाने के उद्देश से कांग्रेस सेवादल की ऐतिहासिक परंपरा अनुसार एवं आर.एस.एस. की शाखाओं के जवाब मे माह के अंतिम रविवार को खजुरिया बंगला सीहोर मे कांग्रेस सेवादल जिला सीहोर के अध्यक्ष नरेंद्र खंगराले जाटव दलित चिंतक द्वारा ध्वजवंदन कार्यक्रम रखा गया । श्यामपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामनारायण शर्मा द्वारा वंदे मातरम और राष्ट्रीयगान कार्यक्रम के दौरान पुरे अनुशासन के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फेहराया गया कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष नरेंद्र खंगराले ने ध्वजारोहण पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा धर्म निरपेक्षता आपसी सद्भाव तथा संघ के जवाब मे कांग्रेस सेवा दल का झंडा वंदन कार्यक्रम जनता से जुड़ने की पहल और डॉ आंबेडकर, महात्मा गांधी , पंडित जवाहर लाल नेहरू के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस सेक्टर प्रभारी खजुरिया बंगला के मुकेश गौर द्वारा किया गया और अंत में बंटी अहिरवार ने आभार माना। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव तत्कालीन पार्षद आरती नरेंद्र खंगराले , हरि प्रसाद अहिरवार , प्रेम नारायण अहिरवार , पूर्व सरपंच नंदकिशोर मालवीय , पूजा अहिरवार , धनकुंवर मेहर , संगीता अहिरवार आदि । सेवादल कार्यकर्ता महिला पुरुष भरी संख्या में उपस्थित थे ।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत गैरतगंज विकासखण्ड की देवनगर ग्राम पंचायत में शिविर और जनसंवाद आयोजित

रायसेन (आरएनएस)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत 29 अगस्त 2026 को जिले के गैरतगंज विकासखण्ड की ग्राम पंचायत देवनगर में शिविर और जनसंवाद का आयोजन किया गया। जिसमें सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, खनिज विभाग के प्रमुख सचिव विवेक कुमार पोरवाल, कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं, आवेदनों का निराकरण किया गया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, एसपी आशुतोष गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी सहित अनेक जिला अधिकारी और विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में विधायक डॉ चौधरी ने नागरिकों से संवाद करते मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के उद्देश्यों के बार में चर्चा की और उनकी समस्याएं जानीं।

रास्ता विवाद और अतिक्रमण की शिकायतों पर अब तहसीलदार-नायब तहसीलदार करेंगे मौके का निरीक्षण

मौके पर पहुंचकर जांच के बाद ही सीएम हेल्पलाइन में दर्ज होगा

विदिशा (आरएनएस)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि रास्ता विवाद एवं अतिक्रमण से संबंधित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ऐसी शिकायतों में संबंधित तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण करेंगे और वस्तुस्थिति की जांच करने के बाद ही सीएम हेल्पलाइन में जवाब दर्ज किया जाएगा। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि रास्ता विवाद और अतिक्रमण से जुड़े मामलों में केवल कार्यालय में बैठकर अथवा पटवारी की रिपोर्ट के आधार पर शिकायत का निराकरण दर्शाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार द्वारा स्वयं मौके पर जाकर की गई जांच एवं निरीक्षण के आधार पर ही सीएम हेल्पलाइन में उत्तर दर्ज किया जाए।उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्थल की वास्तविक स्थिति का परीक्षण किया जाए। आवश्यकतानुसार संबंधित राजस्व अभिलेखों, नक्शे एवं मौके की स्थिति का मिलान कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि रास्ते और अतिक्रमण से जुड़े विवादों का स्थायी एवं प्रभावी निराकरण हो सके।कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि मात्र पटवारी की रिपोर्ट के आधार पर सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किए गए उत्तर अमान्य कर दिए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए तथा मौके की जांच के बाद तथ्यात्मक एवं स्पष्ट जवाब पोर्टल पर दर्ज किया जाए।कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जनसुनवाई व्यवस्था है। इसमें प्राप्त शिकायतों के निराकरण में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। विशेष रूप से रास्ता विवाद एवं अतिक्रमण जैसे मामलों में मौके की वास्तविक स्थिति जाने बिना शिकायत का निराकरण दर्ज करने से आमजन की समस्या का समाधान नहीं होता।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ग्राम जाजनखेड़ी में भ्रमण एवं शिविर कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच और उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत खजुरिया कलां के ग्राम जाजनखेड़ी में भ्रमण एवं शिविर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर बालागुरु के. एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना शामिल हुए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, शिकायतों एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिन प्रकरणों का तत्काल निराकरण संभव था, उनका मौके पर ही निराकरण किया गया। ग्रामीणों की समस्याओं का गांव में ही समाधान अभियान का प्रमुख उद्देश्कलेक्टर बालागुरु के. ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण एवं शिविर आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य प्रशासन को आमजन के और अधिक करीब लाना है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कुरवाई तहसील की 25 ग्राम पंचायतों में अधिकारियों ने किया निरीक्षण

बरखेड़ा लायरा में 3 आयुष्मान कार्ड और 7 बच्चों के नवीन आधार कार्ड बने

विदिशा (आरएनएस)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा जिले की कुरवाई तहसील की 25 ग्राम पंचायतों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने निर्धारित ग्राम पंचायतवार भ्रमण एवं निरीक्षण किया। अधिकारियों ने ग्राम पंचायतों में पहुंचकर शासकीय कार्यालयों, भवनों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य केंद्रों, उचित मूल्य दुकानों सहित अन्य शासकीय संस्थानों में संचालित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गईं तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मौके पर ही दिलाया गया। कुरवाई तहसील के कांकर क्लस्टर अंतर्गत ग्राम पंचायत करैया, शेखपुर, दादूरार, नाउकुंड, टैंकू, तमोइया, कांकर, झगरिया, भौंरासा, जरगूंवा, राजपुर, पनावर एवं केथौरा तथा लायरा क्लस्टर अंतर्गत ग्राम पंचायत बासौदा, लचायरा, बरखेड़ा लायरा, मालिया खेड़ा, पाडोछा, लायरा, बरेठ, बरूअल, तलापार, सीहोरा, सिरावली एवं नगवासा में अधिकारियों द्वारा भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत किए जा रहे इन निरीक्षणों का उद्देश्य ग्राम स्तर पर शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना है। अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लेने और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने से ग्रामीणों को शासन की सेवाओं का सीधा लाभ मिल रहा है।

24 हजार गायत्री मंत्रों का सामूहिक जाप एवं एक कुण्डीय यज्ञ के 21 कार्यक्रम हुए पूर्ण

नर्मदापुरम, (निप्र)। गायत्री परिवार नर्मदापुरम के तत्वावधान में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित मंगल सिंह यादव के निवास पर 24 हजार गायत्री मंत्रों का सामूहिक जाप एवं एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में गायत्री परिवार के परिजनों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र का जाप किया। सामूहिक जाप के पश्चात विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ संपन्न कराया गया। यज्ञ में श्रद्धालुओं द्वारा विभिन्न वैदिक मंत्रों के साथ आहुतियां अर्पित की गईं। गायत्री परिवार नर्मदापुरम द्वारा 24 हजार गायत्री मंत्रों के सामूहिक जाप एवं एक कुण्डीय यज्ञ की श्रृंखला के रूप में चलाए जा रहे अभियान में 21 कार्यक्रम पूर्ण हो चुके हैं। इस अभियान के माध्यम से घर-घर गायत्री मंत्र जाप, यज्ञ एवं संस्कारमय वातावरण निर्माण का संदेश दिया जा रहा है। यज्ञ के दौरान नेपाल में हुई त्रासदी में मृत लोगों की आत्मशांति, घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ तथा बिछड़े हुए लोगों के पुनर्मिलन की कामना से महामृत्युंजय मंत्र की विशेष आहुतियां अर्पित की गईं।

सहाकरिता विभाग के प्रमुख सचिव ने नेपियर ग्रास प्लांट का किया निरीक्षण

रायसेन(आरएनएस)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत 29 अगस्त को सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव डीपी अहूजा द्वारा सांची जनपद में सलामतपुर समिति अंतर्गत नेपियर ग्रास प्लांट का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए नेपियर ग्रास लगाने से होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही अधिकारियों से भी प्लांट के संचालन के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त तथा अन्य अधिकारी भी साथ रहे।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी
एवं उप वन मण्डल अधिकारी बुदनी
सामान्य वन मण्डल बुदनी

क्रमांक/शि0/बुदनी 2070 — बुदनी, दिनांक 25.08.2026

विज्ञप्ति नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार वाहन संरक्षित वनक्षेत्र में अवैध सागौन काष्ठ परिवहन में लिप्त होने पर जप्त किया जाकर इस कार्यालय में राजसात की प्रक्रिया अंतर्गत विचाराधीन है।

क्र.	वाहन क्रमांक/वाहन का विवरण	वन अपराध प्रकरण क्रमांक/दिनांक	वाहन मालिक/आरोपी का नाम	वन अपराध का प्रकार	जप्ती स्थल का नाम
1	जप्त वाहन मोटर साइकिल एच.एफ. डीलक्स क्रमांक निल चेचिस क्रमांक अस्पष्ट	42742/04 दिनांक 25.08.2026	1. सुरेश चौहान आ. गणेशराम निवासी ग्राम सत्रामऊ। 2. हीरालाल आ. राजकुमार अहिरवार	अवैध परिवहन	दिनांक 25.08.2026 समय 06.00 ए.एम. ग्राम सत्रामऊ डोबी मार्ग पर

यदि कोई व्यक्ति उक्त वाहन के संबंध में हित रखता है तो विज्ञप्ति प्रकाशन से 15 दिवस के अंदर अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर वाहन संबंधित दस्तावेज एवं पक्ष प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

जी/17882/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

प्राधिकृत अधिकारी एवं
उप वन मण्डल अधिकारी
बुदनी (सामान्य)

कुबेरेश्वरधाम पर आस्था के साथ मनाया जाएगा जन्माष्टमी महोत्सव

मुरली मनोहर मंदिर में होगा भव्य श्रृंगार, चांदी के झूले में विराजेंगे भगवान; राधा नाम संकीर्तन से गूंजेगा धाम

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय के समीपस्थ प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम पर सावन के बाद भादो में भी श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति का क्रम लगातार जारी है। रविवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे शिवभक्त भी शामिल रहे, जो शहर के सीवन नदी के तट से कांवड़ में पवित्र जल लेकर पैदल कुबेरेश्वरधाम पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। तेज धूप के बावजूद श्रद्धालुओं के कदम नहीं रुके। कांवड़ यात्रियों के मुख से श्री शिवाय नमस्तुभ्यं, हर-हर महादेव और जय महादेव के जयघोष गूंजते रहे। कांवड़ लेकर धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य सेवादारों ने स्वागत एवं सम्मान किया। समिति की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी सहित अन्य सेवा व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं।

भादो में भी जारी रहेगा कांवड़ यात्रा का क्रम

सावन माह का कांवड़ मेला समाप्त होने के बाद भी सीवन नदी से कुबेरेश्वरधाम तक कांवड़ लेकर आने का सिलसिला जारी है। श्रद्धालु पवित्र जल लेकर भगवान शिव के दरबार में पहुंच रहे हैं। धाम पर आने वाले भक्तों का कहना है कि भगवान शिव के प्रति आस्था और विश्वास ही उन्हें कठिन पैदल यात्रा पूरी करने की ऊर्जा देता है। धाम को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष आस्था है। यहां आने वाले भक्त कंकर-शंकर की पूजा-अर्चना के साथ भगवान शिव के दर्शन कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

शिव त्याग, करुणा और सत्य के प्रतीक : पंडित प्रदीप मिश्रा

रविवार शाम अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने धाम पहुंचकर श्रद्धालुओं के साथ आरती की। उन्होंने भगवान शिव की महिमा बताते हुए कहा कि भगवान शिव केवल देवता नहीं, बल्कि त्याग, करुणा, शांति और सत्य के प्रतीक हैं। शिवजी का स्वरूप मनुष्य को जीवन जीने की बड़ी सीख देता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव के सिर पर चंद्रमा, जटाओं में गंगा, गले में सर्प और शरीर पर भस्म हमें यह संदेश देते हैं कि जीवन में धन-दौलत और दिखावे से अधिक महत्व मन की शांति और आत्मज्ञान का है। समुद्र मंथन के समय निकले विष को भगवान शिव ने स्वयं अपने कंठ में धारण कर संसार की रक्षा की और नीलकंठ कहलाए। इससे सीख मिलती है कि महान वही है, जो दूसरों के दुख को कम करने के लिए स्वयं कष्ट सहने को तैयार रहे।

चार सितंबर को जन्माष्टमी महोत्सव, रात 12 बजे तक होंगे दर्शन

विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी कुबेरेश्वरधाम पर जन्माष्टमी महोत्सव गुरुदेव के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में सादगी और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। चार सितंबर शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से रात 12 बजे तक श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी के अवसर पर रात्रि 7 बजे कल्लू जी महाराज का विशेष अभिषेक एवं श्रृंगार दर्शन होंगे। इसके बाद रात्रि 8 बजे चांदी के झूले में विराजमान भगवान मुरली मनोहर के दिव्य दर्शन कराए जाएंगे। वहीं रात्रि 9 बजे राधा नाम संकीर्तन का आयोजन होगा। जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर धाम में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी
एवं उप वन मण्डल अधिकारी बुदनी
सामान्य वन मण्डल बुदनी

क्रमांक/शि0/बुदनी 1894 — बुदनी, दिनांक 10.08.2026

विज्ञप्ति नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार वाहन संरक्षित वनक्षेत्र में अवैध सागौन काष्ठ परिवहन में लिप्त होने पर जप्त किया जाकर इस कार्यालय में राजसात की प्रक्रिया अंतर्गत विचाराधीन है।

क्र.	वाहन क्रमांक/वाहन का विवरण	वन अपराध प्रकरण क्रमांक/दिनांक	वाहन मालिक/आरोपी का नाम	वन अपराध का प्रकार	जप्ती स्थल का नाम	परिक्षेत्र का नाम
1	जप्त वाहन मोटर साइकिल हीरो एच. एफ.डीलक्स क्रमांक निल चेचिस क्रमांक अस्पष्ट	42283/02 दिनांक 09.08.2026	अज्ञात	अवैध परिवहन	ग्राम रेहटी(लागा मोहल्ला) रोड पर दिनांक 09.08.2026 को वन विभाग द्वारा लगभग02.30 ए.एम. पर एक नग हीरो एच.एफ.डीलक्स क्रमांक निल चेचिस क्रमांक अस्पष्ट वाहन पर सागौन लकड़ियों को अवैध रूप से परिवहन करते हुए जप्त किया गया।	रेहटी

यदि कोई व्यक्ति उक्त वाहन के संबंध में हित रखता है तो विज्ञप्ति प्रकाशन से 15 दिवस के अंदर अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर वाहन संबंधित दस्तावेज एवं पक्ष प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

जी/17886/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

प्राधिकृत अधिकारी एवं
उप वन मण्डल अधिकारी
बुदनी (सामान्य)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com